卐 श्री सदगुरू देवाय नमः 卐 卐 ओ३म् 卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी 卐卐 जय बाबा की 卐卐 श्याम बाबा 卐卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐
उल्लंघ्य सिन्धोः सलिलं सलीलं,यः शोकवह्निं जनकात्मजायाः आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये
केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त
हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 24 ♦अंक 122 ♦पृष्ठ 8 ♦रूद्रपुर(ऊधमसिंहनगर) ♦शुक्रवार ♦9 फरवरी 2024 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com 9897427585 UTTARANCHAL DARPAN www.uttaranchaldarpan.in

हिंसा के बाद पूरे उत्तराखण्ड में हाई अलर्ट

हल्द्वानी में कर्फ्यू के बीच पैरामिलट्री ने संभाला मोर्चा, मुख्य सचिव और डीजीपी ने किया हल्द्वानी का दौरा

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। मदरसा और नमाज पढ़ने के स्थल को तोड़ने पर हल्द्वानी में भड़की हिंसा के बाद पूरे उत्तराखण्ड में हाई अलर्ट कर दिया गया है। आज जुमे की नमाज को देखते हुए प्रदेश भर में मस्जिदों के आस पास सुरक्षा के कड़े इंतजाम किये गये। हल्द्वानी में कर्फ्यू के बीच पैरामिलेट्री फोर्स ने मोर्चा संभाल लिया है। कल तक सेना भी पहुंचने की उम्मीद है। कर्फ्यू में मेडिकल सेवाओं को छोड़कर आज सब कुछ बंद रहा। शहर में तनावपूर्ण शांति के हालात रहे। डीजीपी अभिनव कुमार और मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने हल्द्वानी पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। बता दें अवैध तरीके से बने मदरसे और मस्जिद के खिलाफ नगर निगम की कार्रवाई के विरोध में उतरी भीड़ ने बीती शाम जमकर पथराव किया। लोगों ने पुलिसकर्मियों और प्रशासन को निशाना बनाना शुरू कर दिया। जगह-जगह तोड़फोड़ और आगजनी हुई। सैकड़ों पुलिसकर्मियों समेत 300 से ज्यादा लोग घायल हुए। 6 लोगों के मरने की सूचना है, हालांकि डीएम वंदना सिंह ने दो लोगों के मारे जाने की पुष्टि की है। हिंसा के बाद से ही पूरे शहर में कर्फ्यू लगा है। हालात को संभालने के लिए आसपास के जिलों से फोर्स बुलाई गई है तो वहीं आज पैरा मिलट्री फोर्स की तीन कंपनियां भी तैनात कर दी गयी है। शनिवार तक सेना भी पहुंच जाएगी। डीएम ने दंगाइयों को देखते ही गोली मारने के आदेश दिए हैं। कर्फ्यू के तहत शुक्रवार को शहर में अस्पताल और दवा की दुकानों को छोड़कर बाकी सब बंद रहा। स्कूल-ऑफिस और बाजार सब कुछ पूरी तरह से बंद होने से लोग घरों में कैद रहने को मजबूर हो गये। हिंसा के बाद हालात का जायजा लेने शुक्रवार को मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, डीजीपी अभिनव कुमार और एडीजी लॉ एंड ऑर्डर एपी अंशुमन भी हल्द्वानी पहुंचे। मुख्य सचिव ने कहा हम लोग पहले पूरी स्थिति को अच्छे से अध्ययन करेंगे और फिर उसके क्या लीगल बिंदु है वो देखेंगे। सरकार के खिलाफ कोई भी कार्रवाई होगी तो जो भी उसमें दोषी होंगे उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। हम स्थिति का पूरा अध्ययन करने के बाद मुख्यमंत्री को विस्तृत जानकारी देंगे। दंगाइयों के (शेष पृष्ठ सात पर)

खूनी खेल के बीच मानवता भी सामने आई

घर में शरण देकर महिला पुलिस कर्मियों की बचाई जान

हल्द्वानी(उद संवाददाता)। बनभूलपुरा में अतिक्रमण हटाने के बाद हिंसा में जहां एक चारों तरफ पत्थर बरस रहे थे और असमाजिक तत्व पुलिस को ढूंढ ढूंढकर निशाना बना रहे थे वहीं ऐसे समय में कुछ लोगों ने मानवता का परिचय भी दिया और दंगे में फंसी महिला पुलिस कर्मियों की मदद कर उन्हें अपने घरों में शरण दी। इससे चार महिला पुलिस कर्मियों की जान बच गयी। दरअसल बनभूलपुरा में अतिक्रमण हटाने गई टीम के साथ गई फोर्स में महिला जवान भी थीं। विरोध कर रही महिलाओं को रोकने के लिए महिला पुलिसजवान मोर्चे पर डटी हुई थी। तभी उपद्रवियों ने पथराव करना शुरू कर दिया। इसमें कई महिला पुलिसकर्मी भी घायल हो गईं। वहीं चार महिला पुलिसकर्मी सहित करीब दो दर्जन से अधिक पुलिसकर्मी गलियों में फंस गये। महिला पुलिसकर्मियों को किसी तरह इलाके की महिलाओं ने अपने घरों में छिपाया। इस दौरान पथराव (शेष पृष्ठ सात पर)

पहले से रची गयी थी दंगे की साजिश: डीएम

हल्द्वानी(उद संवाददाता)। जिलाधिकारी वंदना सिंह का कहना है कि उपद्रवियों ने हमले की साजिश पहले से रची थी। दंगे को पूरी प्लानिंग के तहत अंजाम दिया गया। पत्रकार वार्ता में डीएम वंदना सिंह ने कहा कि होई कोर्ट के आदेश के बाद हल्द्वानी में जगह-जगह अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की गई। सभी को नोटिस और सुनवाई के अवसर दिए गए, कुछ ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया, कुछ को समय दिया गया, जबकि कुछ को समय नहीं दिया गया। जहां समय नहीं दिया गया वहां पीडब्ल्यूडी और नगर निगम की ओर से अभियान चलाया गया। यह कोई पृथक गतिविधि नहीं थी और किसी विशेष परिसंपत्ति को टारगेट करके की गई गतिविधि नहीं थी। डीएम वंदना सिंह ने कहा कार्रवाई के दौरान पुलिस बल ने किसी को उकसाया नहीं और न हीं किसी को नुकसान पहुंचाया। लेकिन भीड़ ने सुनियोजित होकर टीम पर हमला कर दिया। डीएम ने बताया कि हमने डिमोलिशन अभियान जारी रखने का फैसला किया, क्योंकि परिसंपत्तियों पर कोई रोक नहीं थी, किसी व्यक्ति का अधिकार नहीं था। विभिन्न स्थानों पर अतिक्रमण हटाने की कानूनी प्रक्रिया चल रही है और इसलिए यहां भी ऐसा किया गया। हमारी टीमें और संसाधन मूव हुई और किसी को उकसाया या नुकसान नहीं पहुंचाया गया, जिससे जनसंपत्ति की हानि हमारी टीमों के माध्यम से हो। अभियान शांतिपूर्ण ढंग से शुरू हुआ था पूरी प्रक्रिया ठीक से होने के बाद आधे घंटे के भीतर एक (शेष पृष्ठ सात पर)

पुलिस अलर्ट,छतों और वाहनों की चेकिंग

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। हल्द्वानी में हिंसा और कर्फ्यू के बाद जिले में भी पुलिस प्रशासन अलर्ट हो गया है। मुख्य स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने के साथ ही खुफिया तंत्र को भी अलर्ट किया गया है। बता दें हल्द्वानी के बनभूलपुरा में मदरसा और नमाज स्थल तोड़े जाने को हुए बवाल के बाद रात से ही रूद्रपुर में भी पुलिस महकमा अलर्ट है। आज जुमे की नमाज में को देखते हुए जिले में जगह जगह फोर्स तैनात की गयी है खासकर मस्जिदों के आस पास सुरक्षा के कड़े इंतजाम किये गये हैं। पुलिस के आला अधिकारी स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। किसी भी स्थिति (शेष पृष्ठ सात पर)

गन हाउस में गोली चलने से एक की मौत

सर्विस के दौरान अचानक चली गोली

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। आज दोपहर भूरारानी मोढ़ के समीप एक गन हाउस में सर्विस कराने गये गन स्वामी की गोली लगने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार शक्ति विहार कालोनी निवासी 41 वर्षीय अनिल शर्मा पुत्र देव शर्मा आज दोपहर भूरारानी मोड़ के समीप स्थित एक गन हाउस में अपनी बंदूक की सर्विस कराने गया था। जब दुकान स्वामी बंदूक की सर्विस कर रहा था तो इसी दौरान बंदूक का ट्रैगल दब जाने से उससे निकली गोली सामने बैठे बंदूक स्वामी अनिल शर्मा को जा लगी और वह लहुलुहान होकर वहीं जा गिरे। अचानक हुई इस घटना से दुकान स्वामी घबरा गया और वह गंभीर रूप से घायल अनिल शर्मा को उपचार के लिये जिला चिकित्सालय (शेष पृष्ठ सात पर)

तो क्या 'यूसीसी' पर 'समुदाय विशेष' की 'प्रतिक्रिया' है हल्द्वानी दंगा?

पुलिस की नाक के नीचे दंगाइयों की इतनी बड़ी तैयारी, क्या कर रहा था प्रशासन का खुफियातंत्र??

-अर्श-

हल्द्वानी। बीते रोज हल्द्वानी के बनभूलपुरा थाना अंतर्गत इंदिरा नगर क्षेत्र के मालिक का बगीचा इलाके में, नजूल भूमि पर अतिक्रमण कर बनाए गए मदरसे एवं नमाज स्थल से नजूल भूमि को अतिक्रमण मुक्त किए जाने की कार्यवाही के दौरान समुदाय विशेष के लोगों द्वारा जैसी आगजनी ,पथराव ,गोली चालन एवं तोड़फोड़ की हिंसक कार्यवाही अंजाम दी गई, देवभूमि के नाम से विख्यात उत्तराखंड तो में इसकी कल्पना कम से कम किसी ने भी न की होगी। जहां तक हल्द्वानी का सवाल है ? तो आजादी के बाद से यह पहला अवसर है, जब हल्द्वानी में इस प्रकार की दुस्साहसपूर्ण एवं हिंसक कार्यवाही सामने आई है। हल्द्वानी के संपूर्ण घटनाक्रम पर सरसरी दृष्टिपात करें, तो एक बात पूरी तरह स्पष्ट है कि यह घटना अतिक्रमण हटाने के परिणाम स्वरूप उत्पन्न आक्रोश की तात्कालिक प्रतिक्रिया न होकर एक सोची समझी साजिश की परिणिति थी। कहने की जरूरत नहीं कि ऐसी घटनाएं तुरत-फुरत अंजाम नहीं दी जा सकती, बल्कि इनको अंजाम देने की तैयारी मे काफी वक्त लगता है। जाहिर है कि हल्द्वानी के दंगाग्रस्त क्षेत्र में स्थित घरों की छतों पर पत्थर जमा करने, पेट्रोल बम तैयार करने एवं अवैध हथियार जमा करने का कार्य काफी समय पहले ही आरंभ कर दिया गया होगा। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि बनभूलपुरा थाना के ऐन नाक के नीचे दंगाइयों ने प्रशासनिक अमले को घेर कर हताहत कर देने एवं जान से मार देने की ऐसी खतरनाक तैयारी कर ली और प्रशासन को इसकी भनक क्यों कर नहीं लगी ? स्पष्ट है कि शासन-प्रशासन का खुफिया सूचना तंत्र स्थिति की भयावता एवं दंगाइयों की दंगा पूर्व तैयारी की 'टोह' लेने में पूरी तरह असफल रहा ।(शेष पृष्ठ सात पर)

हाईकोर्ट का आदेश लागू नहीं होने पर श्रमिकों का प्रदर्शन

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। इंटरार्क मजदूर संगठन उधमसिंह नगर और किच्छा के नेतृत्व में मजदूरों ने कलेक्ट्रेट में सांकेतिक प्रदर्शन कर डीएम से मुलाकात की और डीएम को ज्ञापन प्रेषित कर उच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश को लागू कराकर सभी बर्खास्त 24 मजदूरों सहित सभी 34 मजदूरों को नौकरी पर बहाल कराने की मांग की। श्रमिकों ने कहा कि उच्च न्यायालय नैनीताल द्वारा 11 जनवरी 2024 को आदेश पारित कर इंटरार्क कंपनी सिडकुल पंतनगर एवं किच्छा जिला उधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)द्वारा बर्खास्त किए गए 12 मजदूरों को नौकरी पर बहाल करने और वेतन देने का स्पष्ट व ठोस आदेश दिये गये हैं।किंतु कंपनी मालिक और प्रबंधन उत्तराखंड राज्य की सबसे बड़ी अदालत / उच्च न्यायालय नैनीताल के उक्त आदेशों को भी मानने को तैयार नहीं ।और उच्च न्यायालय के उक्त आदेश को लागू नहीं कर रहा है। कंपनी मालिक द्वारा उच्च न्यायालय के उक्त आदेश को लागू

करने के स्थान पर उक्त 12 मजदूरों के अलावा 12अन्य मजदूरों को भी नौकरी से बर्खास्त कर दिया है और उच्च न्यायालय के उक्त आदेशों की घोर अवामनना की जा रही है ।दोनों प्लांटों की यूनियनों के महामंत्री /अध्यक्ष सौरभ कुमार और हृदेश कुमार ने कहा कि जिला प्रशासन की मध्यस्थता में हुवे त्रिपक्षीय समझौता को आधार बनाकर ही उच्च न्यायालय नैनीताल द्वारा उक्त आदेश पारित किए गए हैं और उक्त त्रिपक्षीय समझौते के बिंदू संख्या 3 में स्पष्ट रुप से दर्ज है कि समझौते के तहत जिन 34 मजदूरों की घरेलू जांच की जाएगी उन्हें नौकरी से बर्खास्त नहीं किया जायेगा ।किंतु कंपनी मालिक द्वारा उक्त 34 मजदूरों में से अब तक 24 मजदूरों को नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया है।जबकि उच्च न्यायालय द्वारा पारित उक्त आदेशों से स्पष्ट है कि समझौते के बिंदू संख्या तीन में दर्ज उक्त 34 मजदूरों को नौकरी से बर्खास्त करना अविधिक कृत्य है । ज्ञापन देने वालों में सौरभ ,वीरेंद्र ,हृदेश ,वीर सिंह,विनय कुमार, रियाज उद्दीन, नरेंद्र मणी त्रिपाठीशजीत लाल, किशन गिरी, वासुदेव सिंह, पूरनसिंह मेहरा, राजेश शर्मा, उदय सिंह, रविंद्र सिंह, मृत्युंजय कुमार, विशाल पटेल,मंगल सिंह, भूपेंद्र सिंह आदि लोग शामिल थे ।

श्रमिक की मौत के मामले में फैक्ट्री प्रबन्धन व ठेकेदार के खिलाफ रपट

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। करीब 6 माह पूर्व फैक्ट्री में कार्य के दौरान श्रमिक की हुई मौत के मामले में उसके पुत्र ने कोर्ट के निर्देश पर फैक्ट्री प्रबंधन व ठेकेदार के विरूद्ध मुकदमा दर्ज करा दिया है। दर्ज रपट में गौरव दास गुप्ता पुत्र किरन शंकर दास गुप्ता निवासी संजय नगर खेडा ने एचआर मैनेजर, मैसर्स इनोवेटिव पैकेजिंग, सिडकुल, कारखाना प्रबन्धक, प्रबन्ध निदेशक, अखिलेश कुमार ठेकेदार, मुकेश कुमार पुत्र रामानन्द यादव स्टोर कीपर के विरूद्ध कहा है कि फैक्ट्री प्रबन्धन व ठेकेदार की लापरवाही से उसके ति की मौत हुई । उसके पिता किरन शंकर दास गुप्ता पुत्र स्व. विनय दास गुप्ता इनोवेटिव पैकेजिंग,सिडकुल पन्तनगर थाना पन्तनगर में ठेकेदार अखिलेश कुमार के अधीन मजदूरी का कार्य कर रहे थे। जिन्हें 10 हजार रूपयें प्रतिमाह मजदूरी प्राप्त होती थी। रोज की भाँति पिता 30 जुलाई 2023 को घर से फैक्ट्री में काम करने गये थे । तब मजदूरी करनें के दौरान फैक्ट्री के अन्दर पिता के साथ फैक्ट्री प्रबन्धन व ठेकेदार की लापरवाही से हुई दुर्घटना में आयी चोटो के कारण अति गम्भीर रूप से घायल होने की वजह से अगले दिन फैक्ट्री परिसर में उनकी मृत्यु हो गयी। तब ठेकेदार अखिलेश कुमार व फैक्ट्री के स्टोर कीपर मुकेश कुमार पुत्र रामानन्द यादव निवासी डिवाईन पार्क, छत्तरपुर द्वारा उसके पिता को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डाक्टरों द्वारा उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। अपनी रिपोर्ट दर्ज कराने पुलिस के पास गया। लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर आरोपियों के विरूद्ध विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन का ठेका स्थगित

सभासदों की मांग पर नगर पालिका प्रशासक ने की कार्रवाई

सितारगंज(उद संवाददाता)। नगर पालिका क्षेत्र में डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन और यूजर चार्ज को लेकर हुए ठेके का सभासदों ने विरोध किया था। मामला कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा के पास तक पहुंचा। इसके बाद नगर पालिका के प्रशासक एसडीम रविंद्र सिंह ने कलेक्शन का ठेका स्थगित कर दिया है। निवर्तमान सभासदों ने से समाज हित में बेहतर कदम बताते हुए, कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा का आभार जताया। नगर पालिका क्षेत्र में डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन एवम यूजर चार्ज वसूली के संबंध में ठेका पारित हुआ था। जिसका पता लगता ही सभासद रवि रस्तोगी, ऋतु गहतोड़ी, नूर बेग, पंकज रावत, जहूर अंसारी, मजीदन बेगम, रहमत हुसैन, सोनल गुप्ता, उषा सागर, कंचन चौहान, सचिन गंगवार ने डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन को समाज हित के लिए आर्थिक रूप से क्षति पहुंचाने वाला करार देते हुए, आपत्ति दर्ज कराई थी। इसके बाद समस्त सभासदों ने कूड़ा कलेक्शन के ठेके का पुरजोर विरोध किया था रविंद्र बिष्ट के समक्ष निवर्तमान सभासदों ने कूड़ा कलेक्शन और यूजर चार्ज पर आपत्ति जताई मामले से कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा को भी मौके पर ही अवगत कराया गया। इसके बाद नगर पालिका के प्रशासक रविंद्र बिष्ट ने नगर पालिका अधिशासी अधिकारी प्रियंका आर्य को कूड़ा कलेक्शन के ठेके को स्थगित करने के निर्देश दे दिए निर्देश दे दिए। निवर्तमान सभासद रवि रस्तोगी ने कहा कि ठेका स्थगित होना जरूरी था, क्योंकि ठेके में काफी खामियां थी, जो शर्तें ठेके में रखी गई थी वह किसी व्यक्ति विशेष को लाभ पहुंचाने के लिए प्रतीत हो रही थी। और ठेके की धनराशि भी पूर्व के ठेके से दुगनी कर रखी थी। समाज हित में कूड़ा कलेक्शन का ठेका स्थगित होने पर समस्त सभासदों सहित नगर पालिक सफाई कर्मचारियों ने कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा का आभार जताया।

भाजपाइयों ने किया मिष्ठान वितरण

रुद्रपुर(उद संवाददाता)।उत्तराखंड में यूसीसी कानून लागू होने पर भाजपाइयों ने मिष्ठान वितरित किया ।भाजपा आर्थिक प्रकोष्ठ के प्रदेश सहसंयोजक भारत भूषण चुघ के नेतृत्व में शिमला बहादुर में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जहां उन्होंने राज्य में यूसीसी लागू होने पर हर्ष जताते हुए मिष्ठान वितरित किया। वरिष्ठ भाजपा नेता चुघ ने कहा कि उत्तराखंड देश के ऐसा पहला राज्य बन गया है जहां यूसीसी कानून लागू किया गया है। जिसके लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि अब राज्य में सभी नागरिकों को एक समान न्याय मिलेगा और सभी के लिए कानून भी एक समान होगा। उन्होंने कहा कि राज्य में भाजपा की सरकार सभी वर्गों को साथ लेकर निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है ऐसे में यह कानून लागू होने पर राज्य की जनता का भाजपा पर और विश्वास बढ़ेगा तथा भाजपा सरकार और मजबूती से जन समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगी। उन्होंने यूसीसी कानून लागू होने पर केंद्र सरकार और राज्य सरकार का आभार जताया। इस दौरान उत्तम दत्ता दर्ज राज्य मंत्री संजीव गुप्ता विनय बंसल हिम्मत रामकोली दीपक सागर शैलेंद्र कोली राज कोली सुर्रेद्र गुप्ता प्रीति धीर ममता त्रिपाठी अमरदीप सोनकर पप्पू डे मधु डे शिवकुमार शिववु सनी पासवान राहुल सक्सेना सपन सरकार अभिषेक सुधीर मौजूद रहे।

विधायक सुमित हृद्येश ने घायलों का जाना हाल

हल्द्वानी। विधायक सुमित हृद्येश ने अस्पताल पहुंचकर हिंसा में घायल लोगों का हाल जाना। उन्होंने कहा कि हल्द्वानी के बनभूलपुरा क्षेत्र में शासन प्रशासन की जल्दबाजी के कारण हुए दंगे में घायल समस्त पुलिसकर्मी, पत्रकार बंधुओ, नगर निगम कर्मचारियों एवं स्थानीय नागरिको का अस्पताल पहुँचकर कुशलक्षेम जाना। उपचार कर रहे चिकित्सकों से उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। मेरी सभी शहरवासियों से अपील हैं की किसी भी प्रकार की अफवाओ में गौर ना करे और शांति व्यवस्था बनाने में अपना पूर्ण योगदान दे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहराने कहा कि हल्द्वानी के बनभूलपुरा क्षेत्र में हुई घटना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है, मैं सभी क्षेत्रवासियों से शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील करता हूं। जब कभी भी धार्मिक स्थलों पर कोई कार्रवाई होती है तो प्रशासन द्वारा अतिरिक्त सावधानी और सतर्कता बरती जाती है, जिसे लेकर शासन और प्रशासन पूरी तरह से नाकाम साबित हुआ है। इन हालातों में कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी का राजनीतिक बयान दुर्भाग्यपूर्ण है।

रामनगर में लगी धारा 144, निकला फ्लैग मार्च

रामनगर(उद संवाददाता)। हल्द्वानी में दंगे के बाद घटना को गंभीरता से लेते हुए रामनगर में भी प्रशासन अलर्ट हो गया है। शुक्रवार को धारा 144 लगाते हुए नगर में पुलिस का फ्लैग मार्च निकाला गया। इस संबंध में जानकारी देते हुए एसडीएम राहुल शाह ने बताया कि हल्द्वानी में हुई घटना बेहद गंभीर है जिसको लेकर रामनगर में धारा 144 अग्रिम आदेशों तक लगा दी गई है। एसडीएम के द्वारा दिए गए आदेश के बाद नगर के सभी सरकारी व प्राइवेट स्कूल भी बंद कर दिए गए। एसडीएम ने बताया कि नगर में सार्वजनिक स्थानों पर भीड़ एकत्रित करना तथा भड़काऊ भाषणबाजी व भ्रामक प्रचार प्रसार करना इस धारा का उल्लंघन होगा। उन्होंने कहा कि जो भी इसका उल्लंघन करेगा उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उन्होंने कहा कि यदि किसी भी असामाजिक तत्व द्वारा शहर का माहौल खराब करने की कोशिश की गई तो उसके खिलाफ की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने शहर की जनता से शांति व्यवस्था बनाए रखने के साथ ही भ्रामक प्रचार व झूठी अफवाह पर ध्यान न देने की अपील की। उन्होंने कहा कि रामनगर में पर्याप्त मात्रा में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। फ्लैग मार्च में एसडीएम के साथ तहसीलदार कुलदीप पांडे, पुलिस क्षेत्राधिकार भूपेंद्र सिंह भंडारी, कोतवाल अरुण कुमार सैनी सहित कई लोग मौजूद रहे।

स्कूल में तिलक लगाकर आने पर छात्र का उत्पीड़न ,विरोध में विहिप ने सौंपी तहरीर

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। ट्रांजिट कैम्प स्थित एक निजी स्कूल में कक्षा 4 के छात्र द्वारा तिलक लगाकर स्कूल आने पर एक शिक्षिका द्वारा उसका उत्पीड़न करने का मामला सामने आया है। इसके खिलाफ विहिप के कई पदाधिकारियों व सदस्यों ने छात्र के अभिभावक के साथ ट्रांजिट कैम्प थाना में तहरीर सौंपकर कार्रवाई की मांग की। पोस्ट आफिस गली ट्रांजिट कैम्प निवासी दुर्विजय सिंह पुत्र प्यारेलााल का आरोप है कि उसका पुत्र अर्थव क्षेत्र के एक निजी स्कूल में कक्षा 4 में पढ़ता है। तिलक लगाकर स्कूल जाने पर एक शिक्षिका द्वारा उसका उत्पीड़न किया गया। पुत्र द्वारा जब शिक्षिक व शिक्षिकाओं के चरण स्पर्श किये जाते हैं तो उसे मना कर दिया जाता है। कहा जाता है कि यह संस्कार घर में ही करें। तिलक लगाकर स्कूल आने से विद्यालय का माहौल खराब होता है। तहरीर देने वालों सुल्तान सिंह, जोगेन्द्र चौहान, सुबोध सक्सेना, सुदेव दास गुप्ता, आदित्य, अजय पाल, ध्रुव विजय सिंह व संतोष कुमार सिंह आदि थे।

भविष्य में ऐसा नहीं होगा: प्रिंसीपल

रूद्रपुर। छात्र द्वारा स्कूल में तिलक लगाकर आने पर शिक्षिका द्वारा उत्पीड़न किये जाने की बात सामने आने पर विद्यालय के प्रिंसीपल ने कहा कि उन्होंने सम्बधित शिक्षिका को इस बारे में समझा दिया है। भविष्य में घटना की पुर्नावृति नहीं होगी। उन्होंने कहा कि वह स्वयं हिंदू हैं और प्रतिदिन प्रात: पूजा अर्चना कर विद्यालय में तिलक लगाकर आते हैं। बड़ों का सम्मान करना बच्चों के अच्छे संस्कार हैं।

स्मैक के साथ दो तस्कर दबोचे

गदरपुर (उद संवाददाता)।नशे के विरुद्ध गदरपुर थाना पुलिस ने एक और कार्रवाई करते हुए 25 ग्राम अवैध स्मैक के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। जिले भर में एसएसपी के निर्देश पर नशा तस्करों के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत थाना गदरपुर पुलिस टीम चेकिंग के दौरान सेन्ट मैरी स्कूल के पास एक स्कूटी स्वार और एक मोटर साईकिल स्वार को रोकने का प्रयास किया तो दोनों हड़बड़ाकर भागने लगे। त्वरित कार्यवाही करते हुए पुलिस ने हरवंश सिंह पुत्र करनैल सिंह निवासी इट्टवा थाना बाजपुर को पकड़ लिया। उसकी स्कूटी से 18.04 ग्राम अवैध स्मैक बरामद हुयी जबकि मोटरसाईकिल चालक निशान पुत्र सतनाम सिंह निवासी इट्टावा बाजपुर से 6.7 ग्राम स्मैक बरमाद हुई। दोनों को पुलिस ने गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट में चालानक किया। पुलिस टीम में थानाध्यक्ष भुवन चन्द्र जोशी,उपनिरीक्षक पूरण सिंह तोमर, उपनिरीक्षक श्रीमती कुसुम रावत , कांस्टेबल इरशाद उल्ला, दर्शन सिंह ,ललिता प्रसाद शामिल रहे।

रेरा एप्रूव्ड कालोनी
30 से 60 तक चौड़ी सड़कें,
बड़े-बड़े पार्क, गेट बंद कालोनी
90 प्रतिशत तक ऋण सुविधा,
सीवरेज, स्ट्रीट लाईट

डायनामिक गार्डन सिटी
तोमर कंस्ट्रक्शन
श्री राधा स्वामी सत्संग घर गेट नं. 7 के सामने किच्छा रोड, रूद्रपुर
मोबा. 9557222289,7088169159

100 से 400 गज तक के प्लाट
100,160, 200 गज विला
खरीदने व बेचने हेतु सम्पर्क करें।
100 से अधिक परिवार रह रहे हैं

निष्पक्ष चुनाव के लिए अधिकारियों को दिया प्रशिक्षण

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। आगामी लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 को स्वतंत्र निष्पक्ष, पारदर्शी एवं भय रहित माहौल में सम्पन्न कराना सुनिश्चित करें। यह निर्देश जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी उदयराज सिंह ने गुरूवार को डॉ.एपीजे अब्दुल कलाम सभागार में सेक्टर, जोनन मजिस्ट्रेटों तथा पुलिस सेक्टर ऑफीसरों हेतु आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में दिये। जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया में किसी भी स्तर पर चूक या गलती की कोई भी गुंजाइश नहीं है, इसलिए जिस अधिकारी एवं कर्मचारी को निर्वाचन से सम्बन्धित जो भी जिम्मेदारी सौंपी जा रही है, उसका निर्वहन पूरी निष्ठा, तत्परता, समयबद्धता एवं ईमानदारी से किया जाये। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि प्रशिक्षण में दी जा रही सम्पूर्ण जानकारियों, बताई जा रही बारीकियों आदि को पूर्णतः आत्मसात करना सुनिश्चित करें ताकि निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान किसी भी प्रकार की कठिनाई न हो। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि चुनाव प्रक्रिया में सेक्टर, जोनल मजिस्ट्रेटों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि बूथ लोवल पर कोई भी समस्या आती है तो उसका निदान सबसे पहले सेक्टर एवं जोनल मजिस्ट्रेट्स को ही करना होता है।

उन्होंने चार दिन के भीतर आवंटित बूथों का निरीक्षण करते हुए क्रिटिकल तथा वल्नारेबल बूथों का चिन्हीकरण करने, सभी बूथों पर मिनिमम आधारभूत सुविधाओं का गहनता से परीक्षण करने, बूथ क्षेत्रों का निरीक्षण करने व इमर्जेन्सी में शीघ्रता से बूथों तक पहुँचने हेतु रोडमैप तैयार करने के निर्देश दिये। कार्यशाला में मास्टर ट्रेनर एवं नगर आयुक्त नरेश चन्द्र दुर्गापाल ने सेक्टर, जोनल मजिस्ट्रेट एवं ऑफीसर तथा सेक्टर पुलिस ऑफीसर को निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान उनकी भूमिका, क्रिटीकल तथा वल्नारेबल बूथों के निर्धारण की प्रक्रिया, बूथों पर आधारभूत सुविधाओं, बूथों का सत्यापन, समयबद्ध रिपोर्टिंग, विभिन्न अधिनियमों सहित उनके कार्यों एवं दायित्वों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी एवं नोडल अधिकारी स्वीप मनीष कुमार, उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी अशोक कुमार जोशी, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी विजय तिवारी, उप जिलाधिकारी अभय प्रताप सिंह, गौरव चटवाल, राकेश चन्द्र तिवारी, रविन्द्र बिष्ट, ओसी कलैक्ट्रेट डॉ.अमृता शर्मा, तहसीलदार दिनेश कुटौला सहित सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित थे।

सीडीओ ने ली स्वीप के अधिकारियों की बैठक

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। मुख्य विकास अधिकारी एवं नोडल अधिकारी स्वीप मनीष कुमार ने गुरूवार को विकास भवन स्थित अपने कार्यालय में स्वीप कार्यक्रम से जुड़े अधिकारियों की बैठक ली। नोडल अधिकारी स्वीप ने

कहा कि लोकतंत्र की बुनियाद मताधिकार पर ही टिकी होने के कारण मतदान लोकतंत्र का आधार है। मतदान जितना अधिक होगा देश का लोकतंत्र भी उतना ही अधिक मजबूत होगा। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि मतदान के प्रति जनता को जागरूक करते हुए प्रत्येक मत का महत्व समझाया जाये और जनपद में मतदान प्रतिशत बढ़ाया जाये। उन्होंने जनता से भी अपील करते हुए कहा कि प्रत्येक अपने मत की अहमियत समझे और बिना किसी भेदभाव, तथा प्रलोभन के अपने मताधिकार का प्रयोग करे। उन्होंने कहा कि मतदाता के पास मतदान की वह ताकत होती है, जिससे सरकार बनती है। उन्होंने कहा कि एक लोकतंत्र में एक मत से भी परिणाम बदल जाते हैं, इसलिए कभी भी एक अदद वोट की ताकत को कम नहीं आंकना चाहिये। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि दिव्यांग व्यक्तियों, थर्ड जेण्डर, युवाओं तथा महिलाओं को विशेष तौर पर मतदान के प्रति जागरूक किया जाये और विभिन्न क्षेत्रों में ब्रण्ड एम्बेस्डर नामित किये जाये जोकि अपने-अपने क्षेत्र में जनजागरूकता बढ़ाने का काम कर सकें। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा परिवार में महिला की अहम भूमिका होती है, एक महिला के जागरूक होने से पूरा परिवार जागरूक होगा, जिससे जनपद का मतदान प्रतिशत भी जरूर बढेगा। उन्होंने कहा कि युवाओं को वोटर बनने के लिए प्रेरित करने के साथ-साथ घरेलू महिलाओं को भी मतदाता साक्षर के लिए जागरूक किया जाये। उन्होंने स्वीप कार्यक्रम से जुड़े सभी अधिकारियों को महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिये। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी अशोक कुमार जोशी, पीडी अजय सिंह, जिला प्रोबेशन अधिकारी व्योमा जैन, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी नफील जमील, जिला शिक्षा अधिकारी डीएस राजपूत, एडीपीआरओ महेश कुमार सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी आदि उपस्थित थे।

अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में नये युग की शुरूआत: राज्यपाल

देहरादून/नई दिल्ली (उद संवाददाता)। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने गुरुवार को नई दिल्ली में एसआईए-इंडिया द्वारा आयोजित डीईएफएसएटी 2024 कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में अपने संबोधन में राज्यपाल ने कहा कि निश्चित रूप से रक्षा और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत का भविष्य उज्ज्वल होने के साथ-साथ आशा और आकांक्षाओं से भरा हुआ है। उन्होंने कहा कि 1975 में हमारे पहले उपग्रह आर्यभट्ट से लेकर हमारे सबसे नवीन मिशन आदित्य एल1 तक, जो सूर्य का अध्ययन करने के लिए भारत का पहला मिशन था, इनसे हमारे देश ने साबित कर दिया है कि हम वास्तव में सभी क्षेत्रों में आत्मनिर्भर हैं। राज्यपाल ने कहा कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के तत्वावधान में भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं, जिससे देश अंतरिक्ष अन्वेषण में एक प्रमुख शक्ति के रूप में स्थापित हुआ है। मार्स ऑर्बिटर मिशन, जिसे मंगलयान के नाम से भी जाना जाता है सबसे उल्लेखनीय उपलब्धियों में से एक है। 2013 में लॉन्च किए गए मंगलयान ने भारत को मंगल ग्रह की कक्षा में पहुंचने वाला पहला एशियाई देश और अपने पहले ही प्रयास में ऐसा करने वाला दुनिया का पहला देश बना है। इस उपलब्धि ने न केवल भारत की तकनीकी शक्ति बल्कि मितव्ययी बजट पर अंतरिक्ष

अन्वेषण हासिल करने की क्षमता को भी प्रदर्शित किया। राज्यपाल ने कहा कि भारत के अंतरिक्ष और रक्षा मिशन कई सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जैसे-जैसे हम भविष्य की ओर बढ़ रहे हैं, भारत हर क्षेत्र में प्रगति करने के साथ-साथ अपने लिए तय किए लक्ष्यों को प्राप्त कर रहा है। रक्षा क्षेत्र में उपग्रहों के महत्व को कम करके नहीं आंका जा सकता है, विशेषकर जब भारत अपनी सीमाओं पर बढ़ते तनाव का सामना कर रहा है। यह खुफिया जानकारी, निगरानी और संचार में अद्वितीय सहायता प्रदान करते हैं। सैन्य उपग्रह, संचार और अनुप्रयोग-आधारित प्रणालियों का अभिन्न अंग,रणनीतिक योजना के आवश्यक घटक हैं। उन्होंने कहा कि जैसे ही हम अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के इस नए युग में प्रवेश कर रहे हैं, हम रक्षा और अंतरिक्ष के क्षेत्र में अपने राष्ट्र के लिए बेहतर भविष्य को आकार देने के लिए दूरदर्शिता, नवाचार और समर्पण के साथ नेतृत्व करने की अपनी प्रतिबद्धता को भी दोहरा रहे हैं। हाल ही में भारत ने अपनी स्वदेशी रक्षा विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ाने पर भी ध्यान केंद्रित किया है। 'मेक इन इंडिया' पहल ने देश के भीतर महत्वपूर्ण रक्षा उपकरणों के उत्पादन को बढ़ावा दिया है। हमने विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भरता कम की है और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दिया है। यह कदम न केवल अर्थव्यवस्था को मजबूत करता है बल्कि देश के आर्थिक और रक्षा ढांचे को भी मजबूत करता है। राज्यपाल ने इस अभूतपूर्व आयोजन के लिए एसआईए-इंडिया और सहयोगी रक्षा थिंक-टैंक की सराहना की।

क्या अंग्रेजी दवाईयां आपका रोग ठीक करने में नाकाम हैं तो मिलें-
विजय आयुर्वेद क्लीनिक
पंचकर्म सेन्टर
निम्न रोगों के इलाज में 16 वर्षो का अनुभवः-
पार्किंसन्स, अल्जाइमर, मानसिक विकार,निःसन्तान स्त्री-पुरुष की सभी चिकित्सायें, ट्यूब ब्लॉक, सिस्ट, कीटाणु की कमी आदि। डिस्क प्रोलेप्स सर्वाइकल, गठिया, घुटने का दर्द,किडनी रोग (डायलिसिस से पहले) लीवर सिरोसिस, हैपेटाइटिस B&C, Fatty Liver प्रोस्टेट रोग
असाध्य एवं लाइलाज रोगियों की चिकित्सा शुध्द आयुर्वेदिक पद्धति द्वारा की जाती है।
DR. VIJAY PRAKASH MISHRA
M.D. (Ayurveda)
Mob.: 9410897970
DR. ASHWINI MISHRA
M.D. (Ayurveda)
स्त्री एवं त्वचा रोग
मिलने का समय : प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक (शुक्रवार अवकाश)
होटल राजश्री के सामने, गली नं० 2, डॉक्टर्स कालोनी
डी 1 डी 2 सिविल लाईन, रूद्रपुर (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड

गुरूनानक बालिका इंटर कालेज की कई छात्राओं को मिलेगी छात्रवृत्ति

रूद्रपुर (उद संवाददाता)।श्री गुरूनानक बालिका इंटर कालेज की छात्राओं का चयन विभिन्न छात्रवृत्तियों के लिए हुआ है। जानकारी के मुताबिक मुख्यमंत्री मेधावी छात्र प्रोत्साहन छात्रवृत्ति हेतु विद्यालय की (जूनियर स्तर) कक्षा-6 की 9 छात्राओं कु० हिमाशीं, कु० अल्का, कु० राही वर्मन, कु० छवि गंगवार, कु० लैबा, कु० वंशिका, कु० मीना, कु० स्वाति व कु० आफिया का चयन हुआ है। चयनित प्रत्येक छात्रा को 600) प्रति माह छात्रवृत्ति मिलेगी। इसके अलावा राष्ट्रीय साधन सह-मेधा छात्रवृत्ति की परीक्षा में विद्यालय की 6 छात्राओं कु० गुनगुन पाल, कु० सिमरन, कु० ज्योति बिष्ट, कु० आयुषी, कु० कशिश, व कु० प्रीती यादव का चयन हुआ है। चयनित प्रत्येक छात्रा को 12000 प्रति वर्ष छात्रवृत्ति मिलेगी। यह छात्रवृत्ति कक्षा 9 से कक्षा 12 तक बतौर छात्रवृत्ति छात्राओं को मिलेगी। वहीं विद्यालय की 1 छात्रा कु० प्रीती पाण्डे का चयन श्रीदेव सुमन छात्रवृत्ति के लिये हुआ है। चयनित छात्रा को 2000 प्रति वर्ष छात्रवृत्ति मिलेगी। इन सभी छात्राओं ने छात्रवृत्ति की मेरिट सूची में स्थान पाया है। सभी छात्राओं के विभिन्न छात्रवृत्तियों में चयन होने पर से विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है। श्री गुरूनानक शिक्षा समिति के अध्यक्ष स० दिलराज सिंह व प्रबन्धक स० गुरमीत सिंह व विद्यालय श्री गुरूनानक बालिका इण्टर कालेज के प्रबन्धक स० परमजीत सिंह एडवोकेट व अध्यक्ष स० सुरमुख सिंह, साथ ही प्रधानाचार्या श्रीमती प्रीति अग्रवाल व विद्यालय परिवार ने छात्रवृत्तियों में चयनित छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुये तथा शुभकानायें देते हुये उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

राज्य आंदोलनकारियों का प्रदेश स्तरीय सम्मेलन 11 को

किच्छा(उद संवाददाता)। उत्तराखंड राज्य निर्माण आंदोलनकारी परिषद प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी उत्तराखंड राज्य निर्माण आंदोलनकारी परिषद के बैनर तले रुद्रपुर नगर निगम सभागार में राज्य आंदोलनकारियों का प्रदेश स्तरीय सम्मेलन आगामी 11 फरवरी को 11:30 बजे से आयोजित किया जाएगा।उक्त जानकर देते हुए परिषद के अध्यक्ष अवतार सिंह ने बताया कि सम्मेलन में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा आंदोलनकारियों के लिए किए जा रहे कार्यों को देखते हुए धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया जाएगा एवं उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारीयों से संबंधित समस्त मांगों का ज्ञापन भी धन्यवाद प्रस्ताव के साथ प्रेषित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि समाज सेवा में उत्कृष्ट कार्य करने वाले गैर राज्य आंदोलनकारियो का जिन्होंने समाज सेवा में उत्कृष्ट कार्य किया है, स्वर्गीय इंद्रमणि बडोनी स्मृति उत्तराखंड गौरव सम्मान से सम्मानित भी किया जाएगा। कार्यक्रम में वक्ताओ को अपनी बात रखने का समय दिया जाएगा।

भोग एवं अन्तिम अरदास

जेहा चीरी लिखिया, तेहा हुकम कमाहि घले आवहि नानका सदे उठी जाए

अत्यंत दु:खी हृदय से सूचित किया जाता है कि हमारी माता जी **सरदारनी अमरजीत कौर (पत्नी स्व. सरदार इन्द्रजीत सिंह)** का स्वर्गवास दिनांक 6 फरवरी 2024 को हो गया है। जिनकी आत्मिक शांति हेतु **अन्तिम अरदास दिनांक 11 फरवरी 2024 दिन रविवार** को प्रातः 11 बजे से 1 बजे तक **गुरुद्वारा दशमेशनगर, आवास विकास, रुद्रपुर** में सम्पन्न होगी।

शोकाकुल परिवार

स्वर्गीय सरदार सुरिन्दर सिंह-वरिंदर कौर (पुत्र-पुत्रवधु),स्वर्गीय सरदार शरनजीत सिंह-गुरविंदर कौर (पुत्र-पुत्रवधु),स. नरेन्द्र सिंह-जसबीर कौर (पुत्र-पुत्रवधु) स. बलजीत सिंह-सुरेन्द्र कौर (पुत्र-पुत्रवधु),हरमनप्रीत सिंह, अमृतपाल सिंह (पौत्र) ,हरप्रीत कौर-स. अमनदीप सिंह (पौत्री-दामाद),स. अजीत सिंह-सतविंदर कौर (पुत्र-पुत्रवधु),हरकमल कौर-स. राजेन्दर सिंह (पौत्री-दामाद),अवनीत कौर-स. जसमीत सिंह (पौत्री-दामाद),जिगरप्रीत कौर-स. रमनजीत सिंह (पौत्री-दामाद),अवजोत कौर - स. रवनीत सिंह (पौत्री-दामाद),गुरलीन कौर, प्रभलीन कौर, हरशीन कौर (पौत्री),प्रभजोत कौर-स. दिलबाग सिंह (पौत्री-दामाद),समस्त असीजा परिवार एवं कामरा परिवार

Qe| &yf/k;kuk Quhpj & 9837264680
,- , l- , tlUlht & 9837119831]ver tujy LVkj & 9045986904

मलिक के बगीचे में बने अवैध मदरसे और नमाज स्थल को ढहाने पर हल्द्वानी में भड़की हिंसा

उपद्रवियों ने मचाया तांडव, भारी पथराव, बनभूलपुरा थाना भी फूंका

❑पुलिस ने किया लाठी चार्ज : गलियों से हुए भारी पथराव में सिटी मजिस्ट्रेट कोतवाल समेत कई पुलिसकर्मी और नगर निगम कर्मी घायल

❑हल्द्वानी में कर्फ्यू लागू: सड़क पर आगजगी की भयावह तस्वीर आई सामने,पुलिस की जीप,जेसीबी मशीन समेत सैकड़ों वाहनों में आग लगाई

हल्द्वानी(उद संवाददाता)। हल्द्वानी के बनभूलपुरा क्षेत्र में मलिक के बगीचे में अवैध मदरसा और धर्मस्थल ढहाने गई पुलिस और प्रशासन की टीम पर स्थानीय लोगों ने हमला कर दिया। पथराव में सिटी मजिस्ट्रेट रिचा सिंह रामनगर कोतवाल समय 300 से अधिक पुलिसकर्मी और निगम कर्मी घायल हो गए। उपद्रव्यों ने बनभूलपुरा थाना भी फूंक दिया। पुलिस की जीप जेसीबी दमकल की गाड़ी समेत कई दुपहिया वाहन फूंक दिए गए। आंसू गैस के गोले दागने और लाठी चार्ज के बाद भी जब हालात काबू में नहीं आए तो सबसे पहले अधिकारी जान बचाने के लिए मौके से भाग गए। पुलिस व निगम टीम जैसे तैसे वहां से निकली। प्रशासन ने उपद्रवियों को देखते ही पैर में गोली मारने के आदेश दिए। पिता पुत्र समेत छह लोगों की गोली लगने से मौत हो गई। शहर में कर्फ्यू लगा दिया गया। पुलिस सुरक्षा में नगर निगम की टीम बृहस्पतिवार शाम करीब 4:00 बजे मलिक के बगीचे में बने अवैध मदरसे व धर्म स्थल को ढहाने के लिए पहुंची थी। जेसीबी जैसे ही अवैध धर्मस्थल की ओर बड़ी आसापास के लोग भड़क गए और पथराव कर दिया। पुलिस और निगम की टीम तीनों ओर से घिर गई। पथराव के बीच लोगों ने जेसीबी तोड़ दी और पुलिस की जीप समेत कई वाहनों में आग लगा दी। पथराव में 150 के करीब पुलिस कर्मी घायल हो गए। पुलिस ने लाठी चार्ज भी किया। लेकिन छतों से हो रहे पथराव के बीच पुलिस कर्मियों के लिए मुश्किल हो रही थी। पुलिस अंदर ना आ पाए इसके लिए उपद्रवियों ने गलियों के आगे टायर जलाकर रास्ता रोक दिया। पुलिस उपद्रवियों से निपट ही रही थी तभी दूसरी ओर कुछ लोगों ने बनभूलपुरा थाना फूंक दिया। अफसरों के वहां से निकलने से नेतृत्वविहीन हुई पुलिस व निगम की टीम वहां से किसी तरह बचते बचाते हुए निकली। बनभूलपुरा में उपद्रव के दौरान 70 से अधिक वाहनों को जला दिया गया, जबकि कई वाहनों में तोड़फोड़ की गई। इस दौरान बनभूलपुरा थाने में आग से कई साल पुराने रिकॉर्ड भी जलकर राख हो गए हैं उपद्रवियों ने तीन जेसीबी समेत 70 से अधिक वाहनों को आग के हवाले कर दिया। इनमें दो जेबीसी निगम ने किराए पर मंगाई थी, जबकि एक जेसीबी निगम की है। साथ ही निगम के 8 और पुलिस के एक चारपहिया वाहन को आग के हवाले कर दिया गया, जबकि निगम के दो ट्रैक्टर को भी सड़क पर पलटकर आग लगा दी गई थी। साथ ही 40 से अधिक दोपहिया वाहनों को उपद्रवियों ने आग के हवाले कर दिया। बनभूलपुरा की गलियों में देर रात तक जहां-तहां दोपहिया वाहन जलते नजर आए, जिनको न कोई बुझाने वाला था और न ही इनके मालिकों का किसी को पता था। मलिक के बगीचे के चारों ओर से पथराव में फंसने के बाद किसी तरह पुलिस फोर्स यहां से निकलकर मुख्य सड़क पर पहुंच सकी। मगर यहां भी बनभूलपुरा थाने को आग के हवाले कर दिया गया था। आग बुझाने पहुंचे दमकल वाहन को भी उपद्रवियों ने आग लगा दी। जिसके बाद पुलिस ने उपद्रवियों को तितर बितर करने के लिए हवाई फायरिंग की। इस दौरान एके 47, एसएलआर और पिस्टल से पुलिस ने करीब सैकड़ों राउंड हवाई फायरिंग की। इसके बाद भी पथराव होने पर पैरों में गोली मारी जाने लगी। जानकारी के अनुसार उपद्रवियों को खदेड़ने के लिए पुलिस टीम ने 350 राउंड से अधिक बार फायरिंग की। जिसके बाद लोग मौके से इधर उधर होने लगे।

कई घंटे तक हर तरफ से होती रही पत्थरबाजी

पुलिस प्रशासन के लचर सिस्टम पर सवाल खड़े हो रहे गंभीर सवाल,कई मीडियकर्मी भी हुए चोटिल,लोगों में मची दहशत

हल्द्वानी। कुमाऊं का प्रवेश द्वार हल्द्वानी शहर की फिजा बिल्कुल शांत रही है। यहां की वादियां सुकून और खुशी देती है। बाहर से आने वाले हर व्यक्ति को यह शहर गले लगा लेता है। बृहस्पतिवार को अचानक ऐसा क्या हुआ, जिससे इस शहर की शांति ही भंग हो गई। किसने शांत फिजा का सुकून और खुशी छीन ली। यह सवाल सरकारी सिस्टम से भी है और बनभूलपुरा के स्थानीय उपद्रवियों से भी। जिस कारण शहर ने सड़क पर आज पत्थर, खून और बदहवासी देखी। अस्सी के दशक के बाद शायद ऐसा पहली बार हुआ जब सड़कों पर भयावह मंजर नजर आया। जहां कई घंटे तक हर तरफ पत्थरों की बारिश का तांडव चला रहा। आग की लपटों और गोलियों की आवाज से पूरे शहर की जनता दहशत में थी। तांडव की तस्वीर यह रही की पत्थरबाजी और गोली लगने से छह लोगों की मौत हो गई और 300 से ज्यादा लोग घायल हैं। पुलिस से लेकर पत्रकार और आमजन तक जख्मी है। शहर के लिए इस हिंसा ने एक ऐसा जख्म और दाग दिया है जिसे भरने में कई साल लग जाएंगे। यह सब के लिए जानना जरूरी है कि यह घटना सांप्रदायिक तनाव का बिल्कुल ही नहीं था। विशुद्ध तौर पर कानून व्यवस्था का मामला है जिसका आकलन करने में पुलिस और प्रशासन पूरी तरह फैल रहा। बनभूलपुरा में अवैध धार्मिक स्थल तोड़ने का मसला सीधे तौर पर प्रशासन से जुड़ा हुआ था। इसे तोड़ने पर स्थानीय स्तर पर किस तरह का रिएक्शन हो सकता है। इसका आकलन प्रशासनिक अधिकारियों ने ठीक तरीके से नहीं किया। जिसका नतीजा यह रहा कि शहर ने सड़कों पर तांडव दिखा। हर तरफ खौफ का माहौल देखा। चिल्लाने और बचाने की आवाज में सुनी गईं। पुलिस की खुफिया एजेंसी सटीक जानकारी देने में या तो फैल रही या जानकारी थी तो बिना तैयारी के कार्रवाई के लिए टीम को मौके पर भेज दिया गया। इसको लेकर भी पूरे सिस्टम पर सवाल खड़े हो रहे हैं। जिले की ब्यूरोक्रेसी की अनुभवहीनता साफ तौर पर नजर आई। देहरादून को समय पर सूचना तक नहीं दी गई कि हल्द्वानी में हालात बेकाबू हो गए हैं। हमें क्या करना चाहिए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को जैसे ही किसी अन्य स्रोत से जानकारी मिली तो उन्होंने बीच में ही अपनी मीटिंग छोड़कर मुख्य सचिव और डीजीपी की आपातकाल बैठक बुलाकर पूरे मामले पर पैनी नजर बना दी। बताया जा रहा है कि वनभूलपुरा क्षेत्र में असमाजिक तत्वों का गढ़ है और सिफ थाने की फोर्स के भरोसे पूरे हल्द्वानी शहर की सुरक्षा को खतरे में डाल दिया गया। घटनास्थल पर पुलिस ने बैरिकेटिंग तक नहीं लगाई थी जबकि भारी भीड़ में शामिल उपद्रवियों ने जमकर तांडव मचाया और पुलिस टीम को अपनी जान बचाकर भागना पड़ा। बहरहाल उच्चाधिकारियों की तैयारियों को लेकर भी गंभीर सवाल उठाये जा रहे है।

प्रदेश में किसी को भी कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने की छूट नहीं : सीएम

सीएम धामी ने लिया सख्त एक्शन: दंगाईयों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने के दिए निर्देश

देहरादून(उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने हल्द्वानी के बनभूलपुरा में अवैध निर्माण को हटाए जाने के दौरान पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारियों एवं कार्मिकों पर हुए हमले तथा क्षेत्र में अशांति फैलाने की घटना को गंभीरता से लिया है। उन्होंने कहा कि हल्द्वानी के बनभूलपुरा क्षेत्र में हुई घटना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है, मैं सभी क्षेत्रवासियों से शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील करता हूं। मुख्यमंत्री ने इस संबंध में देर शाम मुख्यमंत्री आवास में मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूडी व पुलिस महानिदेशक श्री अभिनव कुमार तथा अन्य उच्चाधिकारियों के साथ स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को क्षेत्र में शांति व कानून व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के सख्त निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने स्थानीय लोगों से शांति बनाये रखने की अपील करते हुए अराजक तत्वों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही के निर्देश दिए है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस घटना के दोषियों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही कर क्षेत्र में शांति व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रदेश में किसी को भी कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने की छूट नहीं दी जानी चाहिए। प्रशासनिक अधिकारी निरंतर क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रयासरत रहे। जिलाधिकारी द्वारा दूरभाष पर मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि अशांति वाले क्षेत्र बनभूलपुरा में कर्फ्यू लगाया गया है तथा स्थिति को सामान्य बनाए रखने के लिए दंगाईयों को देखते ही गोली मारने के आदेश दिए गए है।

डीएम ने कहा:सुनियोजित थी हिंसा,हमारी सभी तैयारी पूरी थी

पेट्रोल बम, पथराव से लेकर गोली चलाई गई, इसकी उम्मीद नहीं थी

हल्द्वानी(उद संवाददाता)। हल्द्वानी में अतिक्रमणहटाने के दौर भड़की हिंसा के बाद जिलाधिकारी वंदना सिंह चौहान ने जनपद के हल्द्वानी नगर निगम क्षेत्र में कर्फ्यू लगाने के आदेश जारी किये है। वहीं हल्द्वानी में अतिक्रमण हटाने के

दौरान हुई हिंसा पर अस्पताल में भर्ती घायलों से मिलने पहुची और चिकित्सकों से आवश्यक उपचार में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिये है। वहीं मीडया से वार्ता के दौरान जिलाधिकारी वंदना का कहना है हमारी तैयारी पूरी थी, कोई कमी नहीं थी पर जिस तरह से टीम पर हमला हुआ है उससे लगता है कि यह सुनियोजित और योजनाबद्ध हमला किया गया है, जिसकी तैयारी पहले से थी। पेट्रोल बम, पथराव करने से लेकर गोली चलाई गई। इसकी उम्मीद नहीं थी। लगता है कि ऐसी किसी एक्शन पर रिएक्शन कैसे किया जाएगा, उसकी तैयारी पहले से कर ली गई थी। जब शार्ट नोटिस पर पर ऐसी घटना हुई और प्लानिंग थी, अगर अधिक समय दिया जाता तो संभव है कि हालात ज्यादा खराब होते, उसका अंदाजा लगाना संभव नहीं है। यह रणनीति का हिस्सा था कि तैयारी के लिए कम से कम समय दिया जाए, क्योंकि उग्र प्रतिक्रिया की आशंका थी, इसलिए शार्ट नोटिस दिया गया। इससे नुकसान को रोका जा सका। उनकी जानकारी के हिसाब से वर्तमान में केवल बनभूलपूरा क्षेत्र प्रभावित होने की बात है। उन्होंने कहा कि दंगाईयों से नुकसान की भरपाई की जायेगी।

बवाल के बाद सभी स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र बंद

हल्द्वानी के बनभूलपुरा में हुए बवाल को देखते हुए हल्द्वानी में शुक्रवार को आंगनबाड़ी केंद्रों और कक्षा एक से 12 तक के सभी स्कूल बंद रहेंगे। खंड शिक्षा अधिकारी हरेंद्र मिश्रा ने बताया कि वनभूलपुरा में हुए हंगामे के मद्देनजर नौनिहाल और स्कूली बच्चों की सुरक्षा के मद्देनजर शुक्रवार को सभी सरकारी और निजी स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्र बंद रहेंगे। इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं। बता दें कि, नैनीताल जिले के हलद्वानी में गुरुवार शाम को जमकर हिंसा हुई। हलद्वानी के बनभूलपुरा में अवैध मदरसे को हटाने पहुंची पुलिस और प्रशासन की टीम पर जमकर पथराव किया गया। पथराव के अलावा कई जगहों पर आगजनी भी कई गई। पथराव में 50 से भी अधिक पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। हिंसा की घटना के बाद पुलिस फोर्स के साथ-साथ केंद्रीय बलों को भी भेजा जा रहा है। इसके अलावा शहरभर में कर्फ्यू लागू कर दिया गया है। वहीं हलद्वानी में शुक्रवार को सभी स्कूलों को बंद कर दिया गया है।

उत्तरांचल दर्पण
सम्पादकीय सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

आतंकवादियों की हताशा

इसमें कोई दोराय नहीं कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के सफाए के लिए सरकार और सुरक्षा बलों की ओर से जिस तरह मोर्चा लिया गया है, उसकी वजह से आतंकी संगठनों की राह मुश्किल हुई है। मगर यह भी सच है कि कसते शिकंजे से उपजी हताशा के बाद अब आतंकवादियों ने अपनी गतिविधियों को अलग शक्ल देना शुरू कर दिया है। पिछले कुछ समय से किसी की पहचान कर या निशाना बना कर की जाने वाली हत्याओं के जरिए अब वे शायद यही दर्शाना चाहते हैं कि उनका वजूद बचा हुआ है।हालांकि जिस तरह जम्मू-कश्मीर के बाहर से आए किसी मजदूर की पहचान के आधार पर उन पर लक्षित तरीके से हमला किया जा रहा है, उससे यह साफ है कि अब उनके भीतर हताशा गहरा रही है। गौरतलब है कि बुधवार को श्रीनगर के हब्बा कदल इलाके में आतंकवादियों ने पंजाब के एक मजदूर की गोली मार कर हत्या कर दी थी। उस गोलीबारी में एक अन्य मजदूर भी बुरी तरह घायल हो गया था और गुरुवार को इलाज के दौरान उसकी भी जान चली गई। कश्मीर में यह इस वर्ष की पहली लक्षित हत्या की घटना है।आतंकवाद से सामना करने के संदर्भ में सरकार की ओर से आए दिन यह दावा किया जाता है कि जम्मू-कश्मीर में आतंकियों की नकेल कसने के लिए हर स्तर पर सख्ती बरती जा रही है और उनका जोर कम हो रहा है। मगर जमीनी हकीकत कुछ और है। आए दिन सुरक्षा बलों पर होने वाले हमलों के अलावा बीते कुछ वर्षों के दौरान निशाना बना कर की जाने वाली हत्या की घटनाओं से यही पता चलता है कि अब आतंकवादी संगठनों ने अपनी गतिविधियों के तौर-तरीके बदले हैं और आम लोगों के बीच आतंक फैलाने के लिए लक्षित हत्याएं शुरू कर दी हैं।पिछले वर्ष भी कई स्थानीय और बाहरी इलाकों से आकर गुजारा करने वाले कई मजदूरों की हत्या कर दी गई थी। इसका मकसद मुख्य रूप से यही है कि पहचान के आधार पर अलग-अलग समुदायों के बीच आपस में संदेह और दूरी बनाने का माहौल पैदा किया जाए, ताकि असुरक्षाबोध से घिरे लोगों का इस्तेमाल हथियार के तौर पर हो सके। यह आतंकवादियों की नई रणनीति है, जिसके जरिए वे सुरक्षा-व्यवस्था के मजबूत होने के सरकार के दावों को झुठलाना चाहते हैं। हालांकि सरकार ने आतंकी संगठनों पर नकेल कसने के लिए हर स्तर पर कदम उठाए हैं और इसका नतीजा भी देखने में आया है। अब सरेआम आतंकी हमलों की घटनाएं कम हुई हैं, मगर आतंकी संगठनों की नई रणनीति के लिहाज से सुरक्षा बलों को अपना मोर्चा तैयार करना होगा। घाटी में बड़ी संख्या में प्रवासी मजदूर काम करते हैं और वहां की अर्थव्यवस्था में एक बड़ी भूमिका निभाते हैं। यह भी एक कारण है कि कभी कश्मीरी पंडितों को तो कभी मजदूरों को निशाना बना कर आतंकी किसी की हत्या कर देते हैं, ताकि स्थानीय स्तर पर सामुदायिक विभाजन पैदा किया जा सके और बाहर से वहां आकर काम करने वालों को डराया जा सके। इसका एक बड़ा असर जम्मू-कश्मीर के पर्यटन पर भी पड़ेगा। सीधे हमले के मोर्चे पर नाकाम और हताश होने के बाद आतंकी संगठनों का यह तरीका दरअसल सरकार और सुरक्षा बलों पर दबाव बनाने की रणनीति है। सवाल है कि जम्मू-कश्मीर के हित में संघर्ष का दावा करने वाले ये आतंकवादी ऐसा करके किसका भला कर रहे हैं।

जंगलों को आग से बचाने के लिए अल्मोड़ा और बागेश्वर में स्थापित होंगे 164 क्रू सेंटर

अल्मोड़ा/बागेश्वर। जाड़ों में जंगलों की आग ने वन विभाग को खूब परेशान किया। अब 15 फरवरी से 15 जून तक चलने वाले फायर सीजन में जंगलों को आग से सुरक्षित बचाने की चुनौती है, इसकी तैयारी में वन विभाग जुट गया है। विभाग अल्मोड़ा के एक लाख हेक्टेयर से अधिक जंगल को वनाग्नि से सुरक्षित बचाने के लिए 135 क्रू सेंटर के अलावा एक मास्टर, दो मॉडल क्रू सेंटर स्थापित करेगा। वहीं बागेश्वर में छह रेंज में 29 क्रू स्टेशन बनाए गए हैं। वन विभाग फायर सीजन में जंगलों को आग से सुरक्षित बचाने के लिए अल्मोड़ा में 75, रानीखेत में 30 और मोहान रेंज में 30 क्रू स्टेशन स्थापित करेगा। जिले के अयारपानी और रानीखेत में मॉडल जबकि जिला मुख्यालय में मास्टर क्रू स्टेशन स्थापित होगा। मॉडल क्रू सेंटर में रेंजर, डिप्टी रेंजर, फॉरेस्टर, और फॉयर वॉचर समेत 10 और क्रू सेंटर में चार फायर वॉचर तैनात रहेंगे। ऐसे में इन सभी क्रू सेंटर में तैनात 540 फॉयर वॉचर पर एक लाख हेक्टेयर से अधिक जंगल को आग से सुरक्षित बचाने की जिम्मेदारी होगी। विभाग का दावा है कि फायर सीजन में हर हाल में जंगलों को सुरक्षित बचाया जाएगा। जिले में बीते फायर सीजन में जागेश्वर, कनारीछीना, बिनसर, अल्मोड़ा, सोमेश्वर, रानीखेत, द्वाराहाट, रानीखेत, मोहान, जौरासी रेंज के जंगलों में आग की कुल 74 घटनाएं सामने आई थीं, इनमें 104.65 हेक्टेयर जंगल जला। वहीं 2022 में 350 घटनाओं में 772.5 हेक्टेयर जंगल जला था। इस बार फायर सीजन से पहले पर्याप्त बारिश न होने से जंगलों में पर्याप्त नमी नहीं है। संवाद हालांकि वन विभाग फायर सीजन में जंगलों को आग से सुरक्षित बचाने के दावे कर रहा है। फायर सीजर शुरू होने में 10 दिन का समय शेष है, लेकिन अब तक विभाग को इसके लिए कोई बजट नहीं मिला है। ऐसे में विभाग को बगैर धन के ही दावानल से लड़ाई लड़नी होगी। अक्तूबर 2023 से अब तक जिले में जंगलों में आग लगने की 12 से अधिक घटनाएं सामने आई हैं, इनमें 11 हेक्टेयर से अधिक जंगल आग की भेंट चढ़ चुका है। हैरानी की बात यह है कि वन विभाग के रिकार्ड में अब तक एक भी आग की घटनाएं दर्ज नहीं है और वह इसे कंट्रोल बर्निंग का नाम दे रहा है। दीपक सिंह, डीएफओ, अल्मोड़ा वन प्रभाग के अनुसार फायर सीजन से पहले हो रही बारिश से राहत मिलने की उम्मीद है। ऐसे में जंगलों में आग की घटनाओं में निश्चित तौर पर कमी आएगी। वन विभाग फायर सीजन में जंगलों को आग से सुरक्षित बचाने के लिए तैयार है।बागेश्वर में 15 फरवरी से शुरू हो रहे फायर सीजन के लिए वन विभाग ने पुख्ता तैयारियां कर ली हैं। जिले के छह रेंज में 29 क्रू स्टेशन बनाए गए हैं। जिनमें 90 फायर वॉचर तैनात किए जाएंगे। विभाग के 156 अधिकारी और कर्मचारियों पर वनों को आग से बचाने की जिम्मेदारी रहेगी। जिले में 66,236.20 हेक्टेयर क्षेत्रफल में रिजर्व वन और 38000 हेक्टेयर पंचायती व सिविल वन हैं। रिजर्व वन को आग से बचाने की जिम्मेदारी वन विभाग के पास होती है, जबकि अन्य वनों की सुरक्षा के लिए राजस्व विभाग उत्तरदायी है। हालांकि अपने वनों को बचाने के लिए वन विभाग ही इन वनों की आग भी काबू करता है। जिले के रिजर्व वन को छह रेंज बागेश्वर, गढ़खेत, बैजनाथ, धरमघर, कपकोट और ग्लेशियर रेंज में बांटा गया है। वर्तमान में वन विभाग में छह रेंजर, नौ डिप्टी रेंजर, 57 वन दरोगा, 46 वन रक्षक और 38 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी हैं। वनाग्नि काल के लिए बनाए गए प्रत्येक क्रू स्टेशन में तीन फायर वॉचरों को रखने की योजना है। जौलकांडे में वन विभाग का एक मॉडल क्रू स्टेशन बनाया गया है। जिसमें चार फायर वॉचर तैनात किए जाने हैं। मॉडल क्रू स्टेशन में आग बुझाने के उपकरण और कर्मचारी 24 घंटे तैनात रहेंगे। वन विभाग ने वनाग्नि काल में वनों को आग से बचाने के लिए शासन के निर्देशानुसार जिले के विभिन्न स्थानों पर कंट्रोल बर्निंग की है। इस दौरान करीब 3000 हेक्टेयर में नियंत्रित फुकान कर सूखी घास और पत्तियों को जलाकर नष्ट किया गया। वनों में फायर लाइन को काटने का काम भी पूरा हो गया है। उमेश चंद्र तिवारी, डीएफओ बागेश्वर के अनुसार वनाग्नि काल को लेकर तैयारियां पूरी कर ली हैं। कंट्रोल बर्निंग और लाइन काटने का काम पूरा कर लिया गया है। फिलहाल सभी क्रू स्टेशनों में तीन-तीन फायर वॉचर रखे जा रहे हैं। जरूरत पड़ने पर एक-एक फायर वॉचर बढ़ाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के लिए व्यवस्थाओं का लिया जायजा

अल्मोड़ा(उद संवाददाता)। जिला प्रशासन के तत्वाधान में आयोजित होने वाले आजीविका महोत्सव 3 में प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किये जाने के सम्बन्ध में जिलाधिकारी विनीत तोमर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र पिंचा व मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा कोण्डे सहित जिला प्रशासन की टीम ने विभिन्न स्थानों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सर्वप्रथम टीम द्वारा आर्मी हैलीपैड पहुॅचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उसके पश्चात् पलटन बाजार से लाला बाजार से शिखर तिराहे तक पैदल स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियन्ता विद्युत को निर्देश दिये कि जो विद्युत तार झूल रहे हैं उन्हें तत्काल ठीक किया जाय। उन्होंने उप जिलाधिकारी को निर्देश दिये कि केबल नेटवर्क के तारों को भी ठीक किया जाये। जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी नगरपालिका को शहर में विशेष सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिये साथ ही आवारा पशुओं को भी शहर से हटाने के निर्देश दिये। तत्पश्चात् जिलाधिकारी ने कार्यक्रम स्थल हवालबाग पहुॅचकर विभागीय स्टॉल लगाये जाने वाले स्थान का निरीक्षण किया। उन्होंने बनाये जा रहे मंच व आने वाले लोगों व जनप्रतिनिधियों के बैठने की व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये कि सभी तैयारियों को समय से पूर्ण कर लिया जाय। निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए की कार्यक्रम से पूर्व शहर की यातायात व्यवस्था को दुरुस्त कर लिया जाए। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सदर जयवर्धन शर्मा, पुलिस उपधीक्षक विमल प्रसाद, परियोजना निदेशक पुष्पेन्द्र सिह सहित जिला प्रशासन व पुलिस विभाग की टीम उपस्थित थी।

मैंने कोई चोरी डकैती नहीं डाली, पूरे घर की तलाश ली : हरक सिंह रावत

देहरादून। ईडी की छापेमारी के बाद पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरक सिंह रावत ने मीडिया से वार्ता के दौरान कहा कि मैंने कोई चोरी, डकैती नहीं डाली जो प्रवर्तन निदेशालय ने इस तरह मेरे घर पर छापा मारा। मैं घर पर सो रहा था, अचानक ईडी के लोग आ गए, मेरा मोबाइल ले लिया और पूरे घर की तलाशी ली। उन्हें कुछ फाइलों और साढ़े तीन लाख रुपये के अलावा कुछ नहीं मिला। दो जनरेटरों के लिए यह सब कार्रवाई हुई है। इसके लिए एक नोटिस दे दिया गया होता तो इसे वह खुद लौटा देते। पूर्व वन मंत्री डॉ. हरक सिंह रावत ने कहा, कोविडकाल के दौरान कालागढ़ डिविजन से दो जनरेटर मिले थे। छिद्दरवाला में कार्यालय बनाया था, इसलिए जनरेटर वहां रख दिया। मंत्री पद से हटने के बाद मेरे निजी सचिव ने डीएफओ को लिखा था कि सरकारी संपत्ति वापस ले ली जाए। विभाग की जिम्मेदारी थी कि वापस ले जाते, इसके लिए छापा मारने की जरूरत कहां थी।

पाखरों टाइगर सफारी और ढेला रेस्क्यू सेंटर प्रधानमंत्री का प्रोजेक्ट था। 106 हेक्टेयर में पाखरों टाइगर सफारी के लिए केंद्र सरकार की अनुमति के बाद इसमें काम शुरू हुआ। इसमें 16 हेक्टेयर नॉन फॉरेस्ट के लिए मंजूर हुआ। इस पूरे प्रकरण में मेरी यदि कोई भूमिका है तो वह यह है कि मैंने प्रोजेक्ट की शीघ्र मंजूरी के लिए केंद्र सरकार से अनुरोध किया था।कहा ईडी उनके घर से मेडिकल कॉलेज और उनकी बहू के एनजीओ के दस्तावेज ले गई। ईडी को मेरे घर से साढ़े तीन लाख रुपये मिले, जिसे यह कहते हुए ईडी ने लौटा दिया कि इतनी धनराशि रखी जा सकती है। उसे कोई ज्वैलरी नहीं मिली। पूर्व वन मंत्री ने कहा, उन्होंने कॉलेज की जमीन 2003 में खरीदी थी। वर्ष 2011 में जब निशंक मुख्यमंत्री थे इसकी जांच हुई। इसके बाद 2016 में भी इसकी जांच की गई। इसके खिलाफ जो चार्जशीट दाखिल हुई थी उसे हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया था।

हल्द्वानी से मुनस्यारी, पिथौरागढ, चम्पावत के लिए उडान सेवा का हुआ सफल ट्रायल

हल्द्वानी। पर्यटन को बढावा देने हेतु केन्द्र सरकार के सहयोग से राज्य सरकार द्वारा दूरस्थ मुनस्यारी, पिथौरागढ और चम्पावत हैली सेवा प्रारम्भ की जायेगी। इस हेतु गौलापार स्थित हैलीपेड से ट्रायल किया गया। उपजिलाधिकारी पारितोष वर्मा ने बताया कि हेरिटेज एविएशन और यूकाडा की टीम द्वारा ट्रायल किया गया। डीजीसीए की टीम द्वारा फाइनल ट्रायल के उपरान्त उडान हेतु स्वीकृति प्रदान की जायेगी। उन्होंने कहा कि 7 सीटर हेलिकाप्टर प्रतिदिन दो चक्कर अपनी सेवायें देगा। उन्होंने बताया कि चम्पावत के लिए प्रति व्यक्ति किराया 2500 रूपये,पिथौरागढ के लिए 3000 हजार तथा मुनस्यारी के लिए 3500 रूपये प्रति व्यक्ति प्रस्तावित किया गया है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा किराये में सबसीडी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि पर्यटन एवं आपातकालीन सेवाओं के आमजनमानस को हैलीसेवा का लाभ मिलेगा। इस अवसर पर हेरिटेज एविएशन और यूकाडा टीम के अधिकारियों के साथ ही तहसीलदार सचिन कुमार आदि उपस्थित थे।

जिला अस्पताल पहुंची कायाकल्प की टीम

बागेश्वर। अस्तपाल की रैंकिंग के लिए कायाकल्प की टीम जिला अस्पताल पहुंची। यहां उन्होंने एक घंटे तक अस्पताल का निरीक्षण किया। यहां लगे उपकरणों के बारे में जानकारी ली। मरीजों को दी जाने वाली सुविधाओं को भी देखा। मरीजों से भी बात की। टीम लीडर डॉ. हरीश थपलियाल एसएमओ चमोली, खीम सिंह जिला क्वालिटी कंसलैंट, तथा रंजीत सिंह क्लालिटी मैनेजर चमोली अस्पताल मंगलवार को जिला अस्पताल पहुंचे। यहां उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाएं देखीं। यहां लगे उपकरणों को देखा। उपकरणों से जो मरीज लाभ ले रहे हैं उनसे भी वार्ता की। व्यवस्थाओं को जांचने के बाद टीम वापस लौट गई। सीएमएस डॉ. विनोद टम्टा ने उन्हें अस्पताल की व्यवस्थाओं की जानकारी दी और समस्याएं भी गिनाईं। टीम जांच के बाद अपनी रिपोर्ट शासन को सौंपगी। इसके बाद ही रैंकिंग तय होगी।

उत्तराखंड के 13 जिलों में 1.77 लाख पहचान पत्र निरस्त

हल्द्वानी। उत्तराखंड के 13 जिलों में 1.77 लाख लाख मतदाता पहचान पत्र निरस्त कर दिए गए हैं। देहरादून में सबसे ज्यादा 34039 लोगों का नाम हटाया गया है। दून समेत शीर्ष तीन में हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर भी शामिल हैं। एक साल तक हुए भौतिक सत्यापन व अन्य प्रक्रिया को पूरा करने के बाद यह छंटनी की गई। मतदाता की मौत, दूसरी जगह शिफ्ट होना और दो अलग-अलग सूची में नाम शामिल होना इसकी प्रमुख वजह है। वहीं, वोटर लिस्ट से हटाए लोगों की पूरी जानकारी राजनैतिक दलों को भी दी गई है। लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग तेजी से आगे बढ़ रहा है।सर्वे के दौरान नए वोटरों को जोड़ने के साथ यह भी देखा गया कि पूर्व में हुए चुनाव में दर्ज नामों की स्थिति क्या है। नौ नवंबर 2022 से 21 सितंबर 2023 के बीच हुई सत्यापन की प्रक्रिया के बाद 13 जिलों की मतदाता सूची से 177609 नामों को हटाया गया। व्यक्ति का नाम, विधानसभा, मतदाता पहचान पत्र नंबर, बूथ स्थल आदि की जानकारी भी वेबसाइट पर दर्ज की गई है। नैनीताल जिले में सूची से हटे नामों की संख्या 16020 है। एडीएम नैनीताल शिवचरण द्विवेदी का कहना है कि जिन लोगों की मौत हो चुकी है, उनके मृत्यु प्रमाणपत्र जुटाने के बाद बीएलओ से जांच करवाई गई। शिफ्टिंग मतदाताओं के लिए बीएलओ और प्रधान की उपस्थिति में समिति बनी। इन नामों को ढूंढ एसडीएम के माध्यम से नोटिस भेजे गए। दूसरी जगह शिफ्ट होने संग वहां भी वोटर कार्ड बनाने की बात बताने पर एक जगह से नाम हटा दिया गया। तीसरी श्रेणी उन लोगों की थी जो कि गांव और शहर दो जगह की लिस्ट में शामिल थे। प्रधानी चुनाव में मतदान के चक्कर ज्यादातर लोग ऐसा करते हैं।हरिद्वार 25936 नैनीताल 16020 अल्मोड़ा 12360 ऊधम सिंह नगर 22415 पिथौरागढ़ 14561 बागेश्वर 4673 चंपावत 4034 चमोली 6506 उत्तरकाशी 6489 रुद्रप्रयाग 4242 टिहरी 8687 पौड़ी 17647 देहरादून 34039। कार्ड निरस्त हुए है। 22 जनवरी को मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने आंकड़े जारी कर बताया था कि राज्य में वोटरों की कुल संख्या 8336780 है। इनमें 129062 युवा ऐसे हैं जो पहली बार वोट देंगे। इनकी उम्र 18 से 19 के बीच है। सिर्फ रुद्रप्रयाग जिले में पुरुषों के मुकाबले महिला मतदाताओं की संख्या अधिक हैं। वहीं, बागेश्वर, चंपावत में जनवरी तक एक भी ट्रांसजेंडर मतदाता नहीं था।

शराब पीकर वाहन चलाने पर दो गिरफ्तार

अल्मोड़ा(उद संवाददाता)। शराब पीकर वाहन चलाकर सड़क सुरक्षा के नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत द्वाराहाट पुलिस ने कार व चौखुटिया पुलिस ने डम्पर चालक को गिरफ्तार कर उनके वाहनों को सीज कर दिया। एसएसपी देवेंद्र पींचा के निर्देश पर चलाये जा रहे अभियान के तहत थानाध्यक्ष द्वाराहाट अवनीश कुमार ने पुलिस टीम के साथ थाना क्षेत्र इंजीनियरिंग कॉलेज द्वाराहाट गेट के पास चेकिंग के दौरान मारुति 800 के चालक विशाल सिंह नेगी, निवासी बिन्ता, द्वाराहाट को शराब के नशे में वाहन चलाने पर मोटर वाहन अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर वाहन कार को सीज कर दिया। वहीं थानाध्यक्ष चौखुटिया जसविन्दर सिंह के नेतृत्व में उपनिरीक्षक बृजमोहन भट्ट, प्रभारी चौकी मासी द्वारा पुलिस टीम के साथ भटकोट चौखुटिया में चेकिंग के दौरान डम्पर के चालक दीपक सिंह, निवासी कौलक, मेहलचौरी, गैरसैंण को शराब के नशे में वाहन चलाने पर मोटर वाहन अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर वाहन डम्पर को सीज किया गया और चालक के डीएल निरस्तीकरण की कार्यवाही की गई है चेकिंग अभियान जारी है।

आवंटित भूमि में उद्योग स्थापित नहीं करने वाले उद्यमियों को जारी करें नोटिस: डीएम

अल्मोड़ा(उद संवाददातार)। जिलाधिकारी विनीत तोमर की अध्यक्षता में नवीन कलेक्ट्रेट में जिला उद्योग मित्र की बैठक आयोजित की गई। जनपद में पंजीकृत उद्यम इकाइयों एवं सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम नीति तथा विशेष एकीकृत औद्योगिक प्रोत्साहन नीति के अंतर्गत आने वाले उद्यमियों के ब्याज उपादान के दावों, विद्युत उपादान दावों, पूंजी निवेश सहायता दावों एवं अन्य मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि उद्यमियों द्वारा आवेदन करते समय सही जानकारी विभाग को उपलब्ध कराये। उन्होंने कहा कि आवेदनकर्ता के आवेदन पत्र में किसी प्रकार की कोई त्रुटि हो तो सम्बन्धित को पत्राचार कर उसका निस्तारण किया जाये। जिलाधिकारी महाप्रबन्धक उद्योग को निर्देश दिये कि उपादान दावे हेतु जो समिति गठित की गयी है बैठक से पूर्व सभी मामलों पर समिति द्वारा सहमति के उपरान्त ही दावों को बैठक में प्रस्तुत किया जाय। जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि मिनी औद्योगिक आस्थान हेतु विभाग द्वारा जिन उद्यमियों को भूमि आवंटित की गयी अगर उन उद्यमियों द्वारा आवंटित भूमि में उद्योग स्थापित नहीं किया गया है तो उन्हें नोटिस जारी किया जाय नोटिस समय अवधि पूर्ण होने के उपरान्त आवंटित भूमि निरस्त की कार्यवाही अमल में लायी जाय। जिलाधिकारी ने कहा कि जिन उद्यमियों द्वारा उद्योग हेतु आवेदन पत्र विभाग में दिये है वे उद्यमी समय से प्रोजेक्ट रिर्पोट समय से प्रस्तुत करना सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि बिना किसी ठोस कारण के आवेदनों को निरस्त न किया जाए। महाप्रबंधक जिला उद्योग केन्द्र मीरा बोरा ने बताया कि पूर्व में आयोजित बैठक में लिए गए निर्णयों के अनुपालन में एमएसएमई नीति 2015 (यथा संशोधित 2020 के अंतर्गत 7 इकाइयों के ब्याज उपादान दावे स्वीकृत किये गये थे जिसके सापेक्ष निदेशालय से बजट की मांग कर ली गयी है। उन्होंने कहा कि विशेष एकीकृत औद्योगिक प्रोत्साहन नीति 2008 (यथा संशोधित 2011के अंतर्गत 01 इकाई को ब्याज उपादान स्वीकृत किया गया था जिसका बजट उपलब्ध हो जाने पर सम्बन्धित इकाई को भुगतान कर दिया गया है। बैठक में मुख्य कोषाधिकारी जगत जोशी समेत अन्य अधिकारी एवं उद्यमी उपस्थित रहे।

नागालैंड के छात्र छात्राओं ने राज्यपाल से की भेंट

देहरादून (उद संवाददाता)। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) से राजभवन में "राष्ट्रीय एकता यात्रा" पर आए कोहिमा, नागालैंड के छात्र-छात्राओं ने भेंट की। "ऑपरेशन सद्भावना परियोजना" के अंतर्गत राष्ट्रीय एकता यात्रा में कोहिमा नागालैंड क्षेत्र के 4 शिक्षकों के साथ 20 छात्र-छात्राएं शामिल हैं। 13वीं बटालियन असम राइफल्स के सौजन्य से आए ये छात्र-छात्राएं देहरादून स्थित विभिन्न संस्थानों का भ्रमण कर रहे हैं। बच्चों की इस यात्रा का उद्देश्य विभिन्न स्थानों की संस्कृति, विकास, तकनीकी और आर्थिक प्रगति का प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करने के साथ-साथ ज्ञानार्जन एवं करियर के अवसरों को अर्जित करने हेतु निकट से जानने का अवसर प्रदान किया जा रहा है। राज्यपाल ने सभी बच्चों से वार्तालाप की और उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि शैक्षिक यात्रा उन्हें कई चीजें सीखने को मिलेंगी जो आगे उनके भविष्य में काम आएंगी। राज्यपाल ने बातचीत के दौरान छात्र-छात्राओं को

राष्ट्रीय एकता के प्रति प्रेरित किया और राष्ट्र निर्माण में बढ़-चढ़कर योगदान देने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि शैक्षिक यात्रा बेहतर नौकरियां और करियर हासिल करने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित करेगा। राज्यपाल ने विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए अपना आशीर्वाद दिया। उन्होंने पूर्वोत्तर में सेवाएं देने के दौरान अपने अनुभवों को बच्चों के साथ साझा किया। उन्होंने असम राइफल्स के प्रयासों की सराहना की। इस यात्रा में 13वीं बटालियन असम राइफल्स के टीम लीडर मेजर रमन पंवार एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहें।

यूसीसी लागू होने परभाजपाईयों ने जताया हर्ष

कालाढूंगी(उद संवाददाता)। समान नागरिक संहिता विधेयक सदन में पेश किए जाने पर भाजपाइयों ने बस टेंड पर मिठाई बांटकर खुशी जताई। भाजपा कार्यकर्ताओं ने कहा कि उत्तराखंड सरकार ने वह करके दिखा दिया जिसकी लंबे समय से प्रतीक्षा थी। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने राज्य विधानसभा में समान नागरिक संहिता उत्तराखंड 2024 विधेयक पेश कर एक मिसाल कायम की है। इसके लिए भाजपा कार्यकर्ताओं ने मिठाई बाँटकर हर्ष जताया एवं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सहित पूरी प्रदेश सरकार का आभार कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया। इस दौरान , पूरन जोशी,गोपाल बुधलाकोटी, विनोद बुधलाकोटी, पूरन जोशी, हरीश मेहरा, नवीन पांडे, हेमंत, कैलाश बुढालाकोटी, दीवान सिंह बिष्ट, बृजेश शाह, जीवन भट्ट, सुच्चा सिंह, लक्ष्मण सिंह देउपा, विनोद बुधलाकोटी कविता बालिया, विनोद बुधलाकोटी आदि कार्यकर्ता मौजूद थे।

भाजपाईयों ने की चुनाव की तैयारियों पर चर्चा

खटीमा(उद संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं की बैठक स्थानीय पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में संपन्न हुई जिसमें लोकसभा चुनाव की तैयारी को लेकर पार्टी के आगामी कार्यक्रमों को लेकर चर्चा की गई। बैठक में लोकसभा पालक महेश खुलबे ने बताया कि पार्टी द्वारा गांव चलो अभियान दीवार लेखन कार्यक्रम एवं अन्य प्रस्तावित कार्यक्रमों को लेकर पार्टी ने अलग-अलग लोगों को जिम्मेदारी होती है। पार्टी का प्रदेश नेतृत्व लोकसभा स्तर के कार्यकर्ताओं एवं विधानसभा स्तर के कार्यकर्ताओं के साथ-साथ मंडल स्तर के बूथ कार्यकरता तक एक सामंजस्य बनाकर एवं रूपरेखा तय करके पार्टी के कार्यक्रमों को जमीनी स्तर पर लागू करने का कार्य कर रही है। जिससे प्रचंड बहुमत से चुनाव जीतने की और अग्रसर है। बैठक को संबोधित करते हुए

लोकसभा विस्थारक दिनेश आर्य ने कहा कि पार्टी की विधानसभा एवं मंडल स्तर पर होने वाली बैठकों में सभी पार्टी के कार्यकर्ताओं की सक्रियता अत्यंत आवश्यक है। बैठक में जिला पालक राजेश तिवारी विधानसभा प्रभारी आलोक तिवारी, पार्टी के विधानसभा पालक नवीन भट्ट, नगर महामंत्री मनोज वाधवा, नौसर मंडल उपाध्यक्ष हरेंद्र प्रसाद चकेरपुर मंडल अध्यक्ष विक्रम भट्ट विवेक गुप्ता चंदू मेहरा उपस्थित थे। संचालन नगर महामंत्री मनोज वाधवा ने किया। अध्यक्षता विधानसभा प्रभारी आलोक तिवारी ने की।

ट्रक की टक्कर से बाईक सवार गंभीर

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। आज प्रात: कोतवाली गेट के पास ट्रक की टक्कर से बाईक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए निजी चिकित्सालय ले जाया गया। जानकारी के अनुसार नितिश कुमार पुत्र वेदप्रकाश शर्मा निवासी विकास कालोनी वार्ड 16 थाना किच्छा आज सुबह अपनी बाईक संख्या यूके 06 बीसी 0564 पर सवार होकर किच्छा से रामपुर जा रहा था। तभी रामपुर रोड कबीरद्वार गेट कोतवाली के सामने पीछे से तेज गति से आ रहे ट्रक चालक ने जोरदार पीछे से टक्कर मार दी जिससे नीतीश ट्रक के पाहिये की नीचे फंस गया और ट्रक चालक उसे घसीटता हुआ ले जा रहा था। जिसके बाद पुलिस द्वारा नीतीश को ट्रक के पाहिए से निकालकर पास के निजी अस्पताल पहुंचाया गया। नीतीश ने मामले की तहरीर पुलिस को दे दी है।

कांग्रेस नगर महामंत्री ने दिया इस्तीफा

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। व्यापार मण्डल कोषाध्यक्ष पद पर पराजित हुए महानगर कांग्रेस के महामंत्री पवन गावा पल्ली ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। महानगर अध्यक्ष को सौंपे त्यागपत्र में पवन गावा ने कहा है कि उन्होंने पार्टी की हमेशा सच्चे मन से सेवा की और पार्टी के सभी कार्यक्रमों में भाग लिया लेकिन पार्टी ने व्यापार मण्डल चुनाव में उनकी मदद नहीं की बल्कि उनके खिलाफ चुनाव लड़ रहे दूसरे प्रत्याशी का समर्थन किया। गावा ने कहा कि पार्टी के इस कृत्य से वह आहत हैं इसी लिए वह महामंत्री पद से इस्तीफा दे रहे हैं।

बस और ट्रक की भिड़ंत में कई घायल

हल्द्वानी(उद संवाददाता)। दिल्ली से आ रही उत्तराखंड परिवहन निगम की बस रामपुर रोड में दुर्घटनाग्रस्त हो गयी। बस और ईंटो से भरे ट्रक के बीच भिड़ंत हो गई। इस हादसे में बस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। साथ ही चालक को गंभीर चोटें आई हैं। जबकि कई यात्री मामूली रूप से चोटिल हो गए। जानकारी के अनुसार सुबह रुद्रपुर डिपो की एक बस संख्या यूके06पीए-1704 दिल्ली से हल्द्वानी आ रही थी। तभी उसकी प्रात: रामपुर रोड स्थित कत्था फैक्ट्री के पास ईटो से भरे ट्रक के साथ भिड़ंत हो गई। हादसे के बाद बस बिजली के पोल से टकराकर रुक गई। बस चालक की तरफ से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। सूचना पर पहुंची फायर सर्विस टीम ने चालक को मौके पर पुलिस ने बाहर निकाला। चालक को एम्बुलेंस से अस्पताल भिजवा दिया गया है।

पेज एक का शेष...

हिंसा के बाद पूरे उत्तराखंड में...खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई होगी। उधर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने शुक्रवार को अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक कर वर्तमान स्थिति की समीक्षा की। बैठक में सीएम धामी ने पुलिस को अराजक तत्वों से सख्ती से निपटने के स्पष्ट निर्देश दिए हैं। साथ ही हल्द्वानी की जनता से अनुरोध किया है कि शांति व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस-प्रशासन का सहयोग करें। सीएम धामी ने साफ तौर पर कहा कि आगजनी पथराव करने वाले एक-एक दंगाई की पहचान की जा रही है, सौहार्द और शांति बिगाड़ने वाले किसी भी उपद्रवी को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि दंगाइयों और उपद्रवियों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की जाएगी। हिंसा के बाद पूरे प्रदेश में हाई अलर्ट कर दिया गया है।

पहले से रची गई थी...बड़ी भीड़ ने नगर निगम टीम पर पहला हमला किया। उन्होंने कहा ये योजना पहले से बनाई गई थी कि जिस दिन डिमोलिशन अभियान चलाया जाएगा उस दिन बलों पर हमला किया जाएगा। हमने पत्थरों वाली पहली भीड़ को तितर-बितर कर दिया गया और दूसरी भीड़ जो आई उसके पास पेट्रोल से भरे बोतल थे उसमें उन्होंने आग लाग के फेंकी। तब तक हमारी टीम ने कोई बल प्रयोग नहीं किया था। उन्होंने कहा कि भीड़ ने थाने को घेर लिया और थाने के अंदर मौजूद लोगों को बाहर नहीं आने दिया गया। उन पर पहले पथराव किया गया और फिर पेट्रोल बम से हमला किया गया। थाने के बाहर वाहनों में आग लगा दी गई और धुएं के कारण दम घुटने लगा। पुलिस कर्मियों को थाने में जिंदा जलाने की कोशिश की गयी। पुलिस थाने की सुरक्षा के लिए ही आंसू गैस और पानी की बौछारों का इस्तेमाल किया। लेकिन भीड़ फिर भी नहीं मानी। कई सरकारी वाहनों पर आगजनी की गयी। डीएम ने कहा कि 30 जनवरी तक दंगाइयों के छतों पर एक भी पत्थर नहीं था। ये पत्थर पेट्रोल बम आदि बाद में जमा किये गये थे। डीएम ने हिसा में अब तक 2 लोगों की गोली लगने से मौत की पुष्टि की। साथ ही उन्होंने कहा कि अब तक 4 दंगाइयों को गिरफ्तार किया गया है, दंगाईयों का चिन्हीकरण किया जा रहा है। वहीं एसएसपी ने बताया कि उपद्रवियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जायेगी। आगजनी पथराव करने वाले एक-एक दंगाई की पहचान की जा रही है सौहार्द और शांति बिगाड़ने वाले किसी भी उपद्रवी को बख्शा नहीं जायेगा।

पुलिस अलर्ट छतों और वाहनों...से निपटने के लिए संवेदनशील स्थानों पर पुलिस तैनात की गयी है। मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों में लगातार गश्त की जा रही है। शांति व्यवस्था के लिए एसपी सिटी मनोज कुमार कत्याल, आईपीएस अधिकारी सीओ निहारिका तोमर, कोतवाल धीरेन्द्र कुमार पुलिस फोर्स के साथ लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। जिला मुख्यालय पर एसएसपी मंजूनाथ टीसी ने पुलिस फोर्स के साथ कोतवाली के बगल में स्थित सीर गोटिया में पहुंचकर ड्रोन की मदद से घरों की छतों की तलाशी भी ली। अचानक चेकिंग के चलते पुलिस को देख मोहल्ले में हड़कंप मच गया। इस दौरान एक घर की छत पर मलवा पड़ा दिखाई देने पर एसएसपी ने मकान स्वामी को तत्काल बुलवाकर उसे मलवा छत से नीचे उतरवाने के निर्देश दिये। पुलिस ने संघन चैकिंग अभियान चलाकर लोगों को हिदायत भी दी। एसएसपी ने युवाओं से कहा कि मोबाईल पर गलत या भड़काऊ पोस्ट न डालें। अफवाह फैलाने वाले के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जायेगीं । उधर यूपी बार्डर पर सख्ती से चेकिंग की गयी। पुलिस ने यूपी से आने वाले हर वाहन की तलाशी ली। इस दौरान एएसपी निहारिका तोमर, कोतवाल धीरेन्द्र कुमार, एसएसआई कमाल हसन, एसएसआई केसी आर्या एस आई बसंती आर्य, समेत अन्य पुलिस अधिकारियों ने चेकिंग में जुटे रहे। बार्डर पर भी ड्रोन से निगरानी की गयी। एसएसपी मंजूनाथ टिसी ने बताया कि जुमे की नमाज को देखते हुए पूरे जनपद में मस्जिदों के आस पास पुलिस तैनात की गयी है। साथ ही मस्जिदों के मौलानाओं से भी संपर्क कर उनसे शांति व्यवस्था में सहयोग की अपील की गयी है। उनसे कहा गया है कि किसी तरह की भड़काऊ बयानबाजी ना करें। इसके अलावा ड्रोन से भी निगरानी की जा रही है। एसएसपी ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील भी की है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर फैलाई जाने वाली भ्रामक सूचनाओं पर ध्यान न दें। उन्होंने बताया कि साईबर सेल व सोशल मीडिया मॉनटरिंग सेल द्वारा भी पोस्टो पर निगरानी रखी जा रही है। असामाजिक उन्माद भड़काने वालों के विरुद्ध सख्त से सख्त कानूनी कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने कहा कि अपने अपने क्षेत्र में शांति बनाये रखने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करें।

खूनी खेल के बीच...और उपद्रव करने वाले लोग क्षेत्र में फंसे पुलिसकर्मियों को ढूंढते रहे। इसके लिए घरों के दरवाजे भी खटखटाए गए। इस बीच महिला पुलिसकर्मियों को बचाने के लिए एक परिवार की महिलाओं ने उनका हुलिया बदलवा दिया। महिलाओं ने पुलिसकर्मियों को अपने सलवार सूट पहनने को दिए। कपड़े बदलने के लिए दिए और हुलिया बदलवा दिया। एक घर में तीन और एक घर में एक महिला पुलिसकर्मी को सहारा दिया गया। कर्फ्यू लगने के बाद अपने जवानों को खोजते हुए पहुंची पुलिस फोर्स के जवानों को देखकर उन परिवारों ने पुलिसकर्मियों को सुरक्षित उन्हें सौंपा। वहीं पथराव के दौरान नई बस्ती में एक परिवार को भी उपद्रवियों ने अपना निशाना बनाया। इस परिवार ने पथराव में फंसी एक महिला और एक पुरुष पुलिसकर्मी को अपने घर में शरण दी थी। इसकी जानकारी मिलते ही उपद्रवी उस घर के पास पहुंच गए और उन्होंने घर पर पथराव कर दिया। इसके बाद उन्होंने घर में आग लगा दी। पुलिसकर्मी और घर में मौजूद छह सदस्य अंदर ही फंस गए। इसकी जानकारी मिलने पर पहुंची पुलिस टीम ने घर के अंदर फंसे लोगों को बमुश्किल बाहर निकाला।

तो क्या यूसीसी पर ... लिहाजा इसे शासन-प्रशासन के खुफिया तंत्र का फेलियर कहना तनिक भी अतिशयोक्ति पूर्ण ना होगा। वह इसलिए क्योंकि पिछले 1 वर्ष से बनभूलपुरा के आसपास का क्षेत्र पूरी तरह लगातार अशांत चला आ रहा है। ऐसे में शासन-प्रशासन को चाहिए था कि वह है अपने खुफिया सूचना तंत्र को और भी कारगर बनाकर रखता तथा असामाजिक तत्वों की हर गतिविधि एवं षड्यंत्र की हर जानकारी समय रहते अपने पास पहुंचना सुनिश्चित करता। साफ है कि ऐसा नहीं हो सका और हल्द्वानी का हाहाकार आज सबके सामने है। खास बात तो यह है कि हल्द्वानी दंगा उत्तराखंड विधानसभा में समान नागरिक संहिता विधेयक पास होने के एक दो दिन बाद ही अंजाम दिया गया है, लिहाजा जांच में इस एंगल से भी तहकीकात की जानी चाहिए की कहीं यह दंगा यूसीसी लागू किए जाने पर समुदाय विशेष की प्रतिक्रिया तो नहीं ? वैसे हल्द्वानी दंगों के बाद, सोशल मीडिया पर उत्तराखंड विधानसभा में समान नागरिक संहिता विधेयक पास होने के ठीक दो-चार दिन पहले समुदाय विशेष के लोगों द्वारा सोशल मीडिया पर की गई, कई पोस्ट अब जमकर वायरल हो रही है। देखा जाए तो सोशल मीडिया में वायरल इन पोस्टों में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को अपरोक्ष रूप से चुनौती देना एवं समुदाय विशेष के लोगों के लिए एक प्रयोजन विशेष के लिए तैयार रहने का अप्रत्यक्ष संदेश साफ अंतरनिहित है। जाहिर है कि शासन-प्रशासन का सोशल मीडिया निगरानी तंत्र, यूसीसी के विधानसभा में प्रस्तुत होने के कुछ दिनों पहले और विधानसभा से पास होने के बाद, जितना सतर्क और सक्रिय रहना चाहिए था उतना सतर्क और सक्रिय नहीं रहा। ज्ञात हो कि समान नागरिक संहिता विधेयक उत्तराखंड विधानसभा में प्रस्तुत होने के पूर्व सुबह के तकरीबन सभी जिले के एसएसपी द्वारा गड़बड़ी फैलाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही करने की चेतावनी एक भर जारी कर दी गई थी। जबकि होना तो यह चाहिए था कि पुलिस विभाग अपने सूचना तंत्र से समान नागरिक संहिता विधेयक पास होने के बाद समुदाय विशेष की प्रतिक्रिया का फीडबैक हासिल करता और उन संवेदनशील इलाकों को चिन्हित करने का प्रयास करता जहां गड़बड़ी की संभावना हो सकती थी। हालांकि हल्द्वानी में उपद्रव के बाद वहां के जिलाधिकारी का एक बयान सामने आया है, जिसमें इंटेलिजेंस फेलियर पर पर्दा डालने की कोशिश की गई है, लेकिन वास्तविक स्थिति तो दंगों की संपूर्ण जांच के बाद ही सामने आ पाएगी ।

गन हाउस में गोली...पहुंचा कर वहां से चला गया। इधर मामले के जानकारी मिलने पर अनिल शर्मा के परिजन भी चिकित्सालय आ पहुंचे। चिकित्सकों ने अनिल शर्मा को मृतक घोषित कर दिया। अनिल शर्मा की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस कर्मी चिकित्सालय आ गये और उन्होंने परिजनों से आवश्यक जानकारी लेकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिये भिजवाया। समाचार लिखे जाने तक परिजनों द्वारा घटना की तहरीर नही दी गई थी।

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर(उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक-परमपाल सुखीजा समाचार सम्पादक-जगदीश चन्द्र
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

श्याम खाटू जी की छवि का पुष्प वर्षा से किया स्वागत

गल्ला मण्डी स्थित श्री श्याम मंदिर में 22 फरवरी को होगी प्राण प्रतिष्ठा

रूद्रपुर (उद संवाददाता)।खाटू श्याम राजस्थान से श्री श्याम खाटू जी की छवि के रुद्रपुर पहुंचने पर गल्ला गई। आगामी 22 फरवरी को खाटू श्याम मंदिर गल्ला मंडी में श्री श्याम खाटू जी की छवि की धार्मिक अनुष्ठानों के साथ से होकर गुजरती हुई श्याम मंदिर पर सम्पन्न होगी। इस दौरान कैलाश चंद्र गर्ग, चंदन अग्रवाल, राजेश श्यामपुरिया, सुरेश दयाल गुप्ता, मुकेश गोयल, सती जैन, हेमंत गर्ग, गौरव सिंघल, संदीप राव, मनोज छाबड़ा, राधा अग्रवाल, शशी

मंडी मोड़ पर श्याम प्रेमियों ने बहुत ही धूमधाम से व फूल वर्षा कर स्वागत किया। उसके बाद श्याम बाबा की छवि खाटू श्याम मंदिर गल्ला मंडी में पहुंचाई प्राण प्रतिष्ठा की जायेगी। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम से पूर्व 21 फरवरी को श्याम खाटू मंदिर गल्ला मंडी से निशान यात्रा प्रारंभ होगी पूरे शहर के अनेक मार्गो पर मित्तल, नरेंद्र बंसल, संजय ठुकराल, श्याम अग्रवाल, जितेंद्र अग्रवाल, नीरज गर्ग, अमित बंसल, संदीप अग्रवाल, ताराचंद अग्रवाल, मोहन अग्रवाल, देवी बंसल, कुसुम जैन, कमला अग्रवाल, शुभी श्यामपुरिया, सलोनी अग्रवाल, पवन अग्रवाल, हिमांशु जिंदल, डॉक्टर तुषार अग्रवाल आदि श्याम भक्त शामिल थे।

डकैती के दोषियों को सात सात साल का कारावास

खटीमा।(उद संवाददाता) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश मंजू सिंह मुंडे ने नानकमत्ता में ज्वैलर्स के घर व दुकान में डकैती के दो दोषियों को सात-सात साल कठोर कारावास की सजा सुनाई है। एक दोषी को 35,500 रुपये व दूसरे को 30,500 रुपये के अर्थदंड से भी दंडित किया है। एक अन्य दोषी को तीन साल के कारावास से दंडित किया है। नानकमत्ता निवासी सुधीर रस्तोगी ने 10 मार्च 2016 को पुलिस को दी तहरीर में बताया कि हथियार बंद अज्ञात बदमाशों ने उनके घर व दुकान में घुसकर तमंचे की नोक पर उन्हें, पत्नी को व पुत्र को बंधक बनाकर सोने के आभूषण, लाइसेंसी बंदूक और 40 हजार की नगदी लूट ली। पुलिस ने केस दर्ज कर अज्ञात लोगों की तलाश शुरू की। सीसीटीवी की फुटेज के आधार पर रामपुर, मिलक (यूपी) निवासी भगवान दास, फतेहपुर संभल निवासी बाबूराम, अल्लापुर बदायूं निवासी लल्ला वर्मा और लक्ष्मीनगर अंबाला निवासी आकाश दुआ, राजकुमार, खालिद, मुजाहिद व महेश शर्मा चिह्नित किए गए। यह मामला अपर जिला सत्र न्यायाधीश की अदालत में पहुंचा। पुलिस ने 20 जून 2016 व 21 जुलाई 2016 को इस मामले में न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किए थे।सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी सौरभ ओझा ने इस मामले में 12 गवाह पेश किए। मामले की विवेचना तत्कालीन थानाध्यक्ष रमेश चंद्र तिवारी व पैरोकारी आरक्षी भूपाल सिंह ने की। मामला विचरण के दौरान महेश शर्मा की मौत हो गई थी जबकि राजकुमार, खालिद व मुजाहिद अभी फरार चल रहे हैं।

यूसीसी पारित होने पर सीएम को दी शुभकामनाएं

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। समान नागरिक संहिता विधेयक 2024 विधानसभा में पारित होने पर विधायक शिव अरोरा ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से उनके देहरादून आवास पर जाकर मुलाकात कर शुभकामनाएं दी, साथ ही कहा कि आपके नेतृत्व यूसीसी विधेयक पारित कर उत्तराखंड ने यह गौरवशाली इतिहास रचा है जो देश के लिये एक उदाहरण के रूप में जाना जायेगा। विधायक शिव अरोरा ने कहा कि यह मुख्यमंत्री पुष्कर धामी की दूरदर्शी सोच का परिणाम है जो आज उत्तराखंड प्रगति पथ पर निरंतर अग्रसर हो रहा है चाहे वो उद्योगों को बढ़ावा देने हेतु इन्वेस्टर समिट हो या जी 20 की सम्मेलन के उत्तराखंड में हुए सफल आयोजन से लेकर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में क्षेतिज आरक्षण की बात हो। विधायक शिव अरोरा ने कहा समान नागरिक सहिता के लागू होने के बाद उत्तराखंड में क्रांतिकारी परिवर्तन आएंगे जो उत्तराखंड की दिशा और दशा को तय करेगा नबब के लागू होने के बाद सभी

धर्मो का उत्थान उनको विकास की मुख्य धारा से जोड़ना व महिला सशक्ति करण की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम साबित होगा, हमको राजनैतिक स्वार्थ से ऊपर उठकर समाज हित राज्य हित मे आगे आ कर सबको साथ लेकर कार्य करना चाहिए। विधायक शिव अरोरा ने कहा जल्द ही मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में सवैधानिक प्रकिया पूर्ण कर जल्द समान नागरिक सहिता विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी हेतु भेजा जायेगा और यह कानून बनकर राज्य में प्रभावी होगा, विधायक ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार जताया और कहा कि यह उनके लिये भी गर्व की बात है कि वह इस विधेयक के पारित होने के समय सदन का हिस्सा रहे।

समान नागरिक संहिता विधेयक पर मुस्लिम महिलाओं ने सीएम का जताया आभार

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। समान नागरिक संहिता विधेयक पारित होने पर उधम सिंह नगर से मुस्लिम महिलाओं ने देहरादून पहुंचकर सीएम पुष्कर सिंह धामी का आभार व्यक्त किया। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की पूर्व प्रदेश मंत्री फरजाना बेगम के नेतृत्व में अल्पसंख्यक समाज की कई महिलाएं देहरादून पहुंची और समान नागरिक संहिता विधेयक विधानसभा में पारित करने पर मुख्यमंत्री पुष्कर धामी का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर फरजाना बेगम ने कहा यूसीसी कानून लागू होने से मुस्लिम महिलाओं का हो रहा उत्पीड़न अब बंद होगा। हलाला जैसी कट्टर मानसिकता से मुस्लिम बहनों का राहत मिलेगी जो डर मुस्लिम

महिलाओं में रहता था। अगर गलती से खाने में नमक ज्यादा हो गया तो महिलाएं डरी सहमी रहती थी कि उसका शौहर कहीं तलाक देकर द दूसरी शादी ना कर ले और उसकी जिंदगी खराब ना कर दे। आज इस कानून के बाद वो मुस्लिम महिलाएं अब सुकून की सांस ले पा रही हैं। फरजाना बेगम ने कहा कि यह और भी गर्व की बात है कि उत्तराखण्ड समान नागरिक संहिता विधेयक पारित करने वाला पहला राज्य बन गया है। यह कानून प्रदेश में सभी के लिए कल्याणकारी होगा।

कृषि भूमि पर कालोनी काटने पर चार लोगों को नोटिस

बाजपुर(उद संवाददाता)। क्षेत्र में कृषि भूमि पर कॉलोनियों निर्माण होने की सूचना मिलने पर राजस्व विभाग में खलबली मची है। एसडीएम आरसी तिवारी के निर्देश पर चकबंदी और उद्यान विभाग की ओर से चार लोगों को नोटिस जारी किया है। एसडीएम आरसी तिवारी ने बताया कि गांव महेशपुरा, दोराहा, काशीपुर हाईवे और राज्य सीमा पर कॉलोनियों के निर्माण होने की सूचना मिली थी। जिस पर उन्होंने राजस्व टीम के साथ मौके का निरीक्षण किया। उन्होंने तहसीलदार अक्षय भट्ट, चकबंदी अधिकारी संजय गर्ग को कॉलोनियों का स्थानीय निरीक्षण कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। उनके निर्देशानुसार स्थान पर अमरूद के बगीचे का कटान होने पर उद्यान विभाग और चकबंदी विभाग की ओर से नोटिस जारी किया गया। जबकि तीन अन्य को चकबंदी अधिकारी ने नोटिस जारी किए हैं। प्रार्पटी डीलर को मानचित्र, अनुमति सहित अन्य दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा गया है।

अल्पसंख्यक बाहुल्य इलाके में गौशाला निर्माण पर रोक की मांग

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। अनेक संगठनों के लोगों ने सद्भावना समिति के तत्वावधान में उप जिलाधिकारी के माध्यम से कमिश्नर व जिलाधिकारी को ज्ञापन प्रेषित कर उनसे अल्पसंख्यक बाहुल्य इलाके में गौशाला निर्माण पर रोक लगाने की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि अल्पसंख्यक बहुल इलाके के बीचों बीच सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के मद्देनजर गौशाला निर्माण पर रोक लगाने और उसके स्थान पर अन्य कोई भी सार्वजनिक उपयोग करने की मांग की है। शिष्ट मंडल ने कहा कि हल्द्वानी शहर में अतिक्रमण हटाओ अभियान में बहुत सी नजूल भूमि नगर निगम और नगर प्रशासन द्वारा अधिग्रहीत की गई है। इसी में से एक भू खण्ड जो जवाहर नगर, वार्ड नंबर 14 में है को अधिग्रहीत कर उसमें निराश्रित

आवारा गोवंश के लिए गौशाला निर्माण कराया जा रहा है। गौशाला निर्माण से किसी का कोई विरोध नहीं है। निराश्रित गोवंश के लिए आश्रय स्थल बनाना मनुष्य और पशु सभी के हित में है। लेकिन जिस भू खण्ड पर गौशाला निर्माण कार्य किया जा रहा है उसके चारों ओर घनी अल्पसंख्यक आबादी निवास करती है। गौशाला निर्माण से कोई विरोध न होने के बावजूद यहां के लोग बेहद डरे हुए हैं और कभी भी किसी सांप्रदायिक तनाव की आशंका से ग्रस्त हैं। उन लोगों की आशंका निर्मूल भी नहीं है क्योंकि देश और राज्य के कई हिस्सों में गौवंश के कारण तनाव और हिंसा की घटनाओं में हाल के समय में काफी वृद्धि हुई है। जिस जगह गौशाला निर्माण कार्य किया जा रहा है वहां की गलियां भी काफी संकरी हैं। जहां गोवंश को लाने के परिवहन की समस्या रहेगी। साथ ही घने और संकरे स्थान व घनी आबादी के कारण प्रदूषण और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के बढ़ने का गम्भीर खतरा है। एसडीएम ने संज्ञान लेते हुए कार्यवाही का आश्वासन दिया। ज्ञापन देने वालों में उत्तराखंड सर्वोदय मंडल अध्यक्ष इस्लाम हुसैन, भाकपा माले जिला सचिव डा कैलाश पाण्डेय, अंबेडकर मिशन के अध्यक्ष जीआर टम्टा, सदभावना समिति के अखलाख खान, बिंदुखत्ता संघर्ष समिति के प्रभात पाल, मोहन खान आदि शामिल रहे।

स्टार्ट अप एवं बूट कैंप में विद्यार्थियों को सिखाये उद्यमिता के गुर

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में जिला उद्योग केंद्र ऊधम सिंह नगर एवं आई.आई.एम. काशीपुर के तत्वाधान में दो दिवसीय स्टार्ट अप बूट कैंप आयोजित किया गया। इस कैंप के प्रथम दिवस की शुरुआत ऊधम सिंह नगर के जिलाधिकारी उदय राज सिंह के द्वारा की गई। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान में निवेश के लिए बहुत सारी कंपनियां तैयार हैं। जरूरत इस बात की है कि इस अवसर का लाभ उठाने के लिए हमारे युवा स्वयं को पूरी तैयारी के साथ प्रस्तुत करें। वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग के संयोजक प्रोफेसर पी.एन.तिवारी ने उपस्थित युवाओं का आह्वान किया कि वर्तमान समय में देश में सरकार द्वारा युवाओं के लिए बहुत सारे नए अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। यह स्टार्ट अप एवं बूट कैंप भी इसी का हिस्सा है। युवाओं में छिपी हुई उद्यमिक संभावनाओं को प्रेरित कर उन्हें अपने भविष्य का निर्माण स्वयं करने की दृष्टि से इस तरह के बूट कैंप बहुत महत्वपूर्ण हैं इसके पश्चात आई. आई. एम काशीपुर के प्रोफेसर अमित कुमार ने प्रतिभागियों को स्टार्टअप के नए-नए तरीकों से परिचित कराते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया। आई. आई. एम काशीपुर के प्रोफेसर राम कुमार द्वारा प्रतिभागियों से स्टार्टअप के सभी प्रस्ताव लिए गए और बताया कि सर्वोच्च दो प्रस्ताव देने वाले प्रतिभागियों को दो लाख रुपए का इनाम दिया जाएगा। इससे इन प्रतिभागियों को अपना स्टार्ट अप शुरू करने में आर्थिक सहायता मिलेगी। आपके द्वारा सभी प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया गया कि वे नए नए स्टार्ट अप के विचार सामने लाएं। इस स्टार्ट अप एवम् बूट कैंप के कार्यक्रम में बी बी ए के 90 एवं 10 लखपति बहनों ने प्रतिभाग किया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रोफेसर सर्वजीत सिंह, डॉ. रवीश त्रिपाठी, प्रोफेसर हरीश चंद्र, प्रोफेसर प्रोफेसर रवीन्द्र कुमार सैनी, प्रोफेसर हेमलता सैनी, प्रोफेसर रेनू रानी, डॉ. वकार हसन खान आदि मौजूद रहे।